दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

तकनीक जीवन को आसान बनाती है, लेकिन यदि उसने रिश्तों से समय छीन लिया तो वही सुविधा हमारी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाती है। सच्ची प्रगति वही है, जहाँ मोबाइल हाथ में हो, पर दिल अपनों के पास रहे।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-52 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 11 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

न्यूज विंडो

ईरान में हिंसक प्रदर्शन, 217 लोगों की मौत का दावा

सेना बोली- बच्चों को प्रदर्शन से दूर रखें वरना गोली लगने पर शिकायत मत करना

तेहरान

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 217 लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। टाइम मैगजीन ने तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें ज्यादातर की मौत गोली लगने से हुई हैं। सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात प्रदर्शन तेज होने पर कई जगहों पर गोलीबारी की थी, इसके बाद से लगातार कार्रवाई जारी है। इस बीच रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक अधिकारी ने सरकारी टीवी से बात करते चेतावनी दी कि माता-पिता अपने बच्चों को प्रदर्शनों से दूर रखें, अगर उन्हें गोली लगे तो शिकायत मत करना।

भागवत बोले- जैसे-जैसे हम एक होंगे, उनके टुकड़े होंगे

वह अंदर से खोखले हो रहे, सारी दुनिया में हार रहे हैं

मथुरा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- जैसे-जैसे सनातन धर्म के सब लोग एक होते जाएंगे। वैसे-वैसे ये टूटते जाएंगे। आप देख लीजिए पिछले 50 सालों में जैसे-जैसे हिंदू एक होता गया। वैसे-वैसे इनके टुकड़े होते चले गए। ये अंदर से खोखले हो गए हैं, सारी दुनिया में हार रहे हैं। वह हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते, लेकिन जैसे हमें तैयार होना है, वैसे हम तैयार नहीं हुए हैं। इसलिए वह हमारे सामने नाच रहे हैं। उन्होंने कहा- भागवत ने यह बात वृंदावन के सुदामा कुटी आश्रम के शताब्दी महोत्सव में शनिवार को कहीं। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि किनके टुकडे होते चले जाएंगे। उन्होंने सुदामा दास जी महाराज के जीवन परिचय और नाभा पीठ का परिचय कराने वाली पुस्तक का विमोचन किया।

जयपुर-रेस लगा रही ऑडी ने 16 को रौंदा, एक मौत

जयपुर

ओवरस्पीड ऑडी कार का शनिवार सुबह सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें वो फूड स्टॉल को टक्कर मारती नजर आ रही है। जयपुर में शुक्रवार रात रेसिंग कर रहे एक ऑडी कार ने कहर मचा दिया। मानसरोवर के भीड़भाड़ वाले इलाके में 120 की रफ्तार से दौड़ रही ऑडी कार पहले बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई, फिर सड़क किनारे लगी फूड स्टॉल्स में घुस गई। इस दौरान वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। कार करीब 16 लोगों को रौंदते हुए एक पेड़ से टकराकर रुकी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वहीं, चार लोग गंभीर घायल हैं। ऑडी में ड्राइवर सहित 4 लोग बैठे थे। इनमें जयपुर पुलिस का सिपाही भी है। घटना के तुरंत बाद भीड़ ने एक कार सवार को पकड़ लिया था। जबकि, एक युवक को शनिवार सुबह पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

जयपुर में अमित शाह ने 9000 कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र दिए

इनको सिफारिश नहीं, योग्यता से नियुक्ति मिली; बीजेपी ने कांग्रेस के पेपरलीक से निजात दिलाई

जोधपुर।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जयपुर में 9000 नव नियुक्त कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र दिए। राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने राम राम से भाषण की शुरुआत की।

उन्होंने कहा- आज 9000 कॉन्स्टेबलों को किसी सिफारिश नहीं अपनी योग्यता से नियुक्ति मिली है। कोई राज्य तभी आगे आ सकता है जब नियुक्ति पारदर्शिता से की हो। भजनलाल ने कांग्रेस सरकार का पेपर लीक का सिलसिला खत्म कर उससे निजात दिलाई है। इस दौरान चूरू के रतन नगर पुलिस थाने को सर्वश्रेष्ठ थाने का पुरस्कार मिला।

इससे पहले जोधपुर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा- माहेश्वरी समाज जॉब सीकर नहीं रहा, जॉब क्रिएटर रहा है। ऐसे ही सदियों तक यह समाज देश की सेवा करता रहे। राम मंदिर पर पुस्तक लिख रहा युवक मेरे पास आया। मैंने उससे पूछा कि तुम्हारे पास क्या जानकारी है? उसने बताया कि आजादी के बाद राम मंदिर के लिए सबसे पहले प्राणों की आहूति देने वाले दोनों भाई माहेश्वरी

समाज से थे। अमित शाह ने कहा कि देश के सांस्कृति पुनर्जागरण में भी माहेश्वरी समाज का योगदान बहुत बड़ा है। माहेश्वरी समाज के हाथ में तलवार भी अच्छी लगती है, तराजू भी। समाज के दिए हुए भामाशाहों की सूची बनाएंगे तो कई पेज भर जाएंगे। शनिवार को शाह पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में चल रहे माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन को संबोधित कर रहे थे।

स्वदेशी के साथ स्वभाषा का भी उपयोग करें

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा- देश को हर क्षेत्र में सर्वप्रथम लाने के लिए तीन चीजें जरूरी हैं, जिन्हें माहेश्वरी समाज कर सकता है। पहली, जो उत्पादन करते हैं तो वो करिए, लेकिन साथ में ऐसी चीजों का उत्पादन भी करें, जो भारत में नहीं बनती है। दूसरी, स्वदेशी। जितना हो सके, उतना स्वदेशी चीजों का उपयोग करें। यह तय कर लें कि मेरे देश में बनी है, उसी चीज का व्यापार करूंगा। स्वदेशी के साथ स्वभाषा का भी उपयोग करें।

जब मुगलों के साथ लड़ते थे तो राजा-महाराजा के खजाने भरने का काम माहेश्वरी समाज ने किया। जब अंग्रेजों से लड़े तो महात्मा गांधी की लड़ाई का खर्च माहेश्वरी समाज के सेठों ने उठाया है। जब देश आजाद हुआ तो उद्योग के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज ने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा।

जहां न पहुंचे रेलगाड़ी, वहां पहुंच जाए मारवाड़ी

अमित शाह ने कहा कि चाहे उत्पादन का क्षेत्र हो, चाहे टेक्नोलॉजी को अपनाना हो, माहेश्वरी समाज ने प्रगतिशील समाज का परिचय दिया है। हमारे गुजरात में कहावत है कि जहां न पहुंचे रेलगाड़ी, वहां पहुंच जाए मारवाड़ी।

अमित शाह ने कहा कि जब समाज के आयोजन होते हैं तो कई प्रगतिशील लोग टीका-टिप्पणी करते हैं, मैंने ऐसी कई टिप्पणी झेली है। हमारे यहां समाजों के ऐसे महाकुंभ भारत को मजबूत करते हैं, भारत को विघटित नहीं करते। यदि हर समाज अपने गरीब भाई-बहनों की देखभाल स्वयं कर ले तो भारत से गरीबी मिट जाए। यदि हर समाज आत्मनिर्भर बन जाए तो पूरा भारत आत्मनिर्भर बन जाएगा।

अयोध्या राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश:परिसर में घुसा 55 साल का शख्स पकड़ा गया, कश्मीर का रहने वाला

अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में एक 55 साल के कश्मीरी व्यक्ति ने नमाज पढ़ने की कोशिश की। जैसे ही उसने नमाज पढ़ने के लिए कपड़ा बिछाया, तो वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसको पकड़ लिया। इसके बाद वह नारेबाजी करने लगा। पूछताछ में उसने अपना नाम अबु अहद

शेख बताया। वह कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां भी मौके पर पहुंच गईं। अबु अहद शेख से राम मंदिर परिसर में बने पुलिस कंट्रोल रूम में पूछताछ की जा रही है कि वो अयोध्या क्यों आया था?

उसने जो बयान दिए हैं, उन्हें क्रॉस करने के लिए राम मंदिर पथ और रेलवे स्टेशन के CCTV देखे जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ये संदिग्ध व्यक्ति बिहार के रास्ते यूपी और फिर अयोध्या पहुंचा।

हालांकि, शुरुआत में 3 लोगों के मंदिर कैंपस से पकड़ने की जानकारी आई थी। वहीं, अयोध्या के SSP गौरव ग्रोवर ने कहा- हमारे पास 1 ही व्यक्ति है। वह नमाज पढ़ने का प्रयास कर रहा था। सिक्योरिटी गार्ड ने उसको पकड़ लिया है।

राम मंदिर के गेट D1 से घुसा

अबु अहद शेख राम मंदिर के गेट ष्ठ1 से घुसा। इसके बाद सीता रसोई के पास नमाज

पढ़ने के लिए बैठ गया। पुलिसवालों ने उसे उसे ऐसा करते देखते ही हिरासत में ले लिया। दरअसल, राम मंदिर में एंट्री करने के दौरान सिर्फ चेकिंग होती है। आधार कार्ड या किसी अन्य परिचय पत्र को चेक नहीं किया जाता। इसी का फायदा उठाकर अबु अहद शेख राम मंदिर परिसर में एंट्री कर गया। इसके बाद वह सीता रसोई तक जा पहुंचा, जो मुख्य मंदिर से सिर्फ 200 मीटर दूर है। यहां नमाज पढ़ने की कोशिश की।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने जब अबु अहद शेख को रोका, तो उसने नारेबाजी शुरू कर दी। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही खुफिया एजेंसियां, स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी सक्रिय हो गए हैं। हालांकि, इस मामले पर जिला प्रशासन ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। राम मंदिर ट्रस्ट ने भी पूरे प्रकरण पर चुप्पी साध रखी है। वहीं, SSP डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि मंदिर परिसर से पकड़े गए अबु अहद शेख के पास से आधार कार्ड मिला है। सीसीटीवी फुटेज निकालकर एक-एक चीज की पड़ताल की जा रही है। वह परकोटे के पास कपड़ा बिछाने लगा। सुरक्षाकर्मियों को कुछ शक हुआ। इसके बाद उस पर निगाह रखी गई। इसी बीच वह अचानक नमाज पढ़ने के अंदाज में बैठने लगा। इस पर सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। सभी जांच एजेंसियां उसकी बताई गई जानकारी के आधार पर वेरिफिकेशन कर रही हैं।

अभी SSF के हाथों में मंदिर की सुरक्षा

अभी श्रीराम जन्मभूमि परिसर और मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी SSF के हाथों में है। मंदिर की सुरक्षा में 200 जवान तैनात हैं। UP सरकार ने हाल ही में PAC और पुलिस के जवानों को मिलाकर SSF गठन किया था।

मंदिर को बम से उड़ाने की कई धमकियां मिल चुकी हैं

22 अगस्त 2024- श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के हेल्प डेस्क मोबाइल नंबर पर वॉट्सऐप के माध्यम से धमकी दी गई थी। धमकी भरे संदेश में लिखा गया, 'बहुत जल्द वे मंदिर को नष्ट कर देंगे और मस्जिद बनाएंगे..., मंदिर को 4000 किलो RDX से नष्ट कर दिया जाएगा...।' इस मामले में UP ATS ने 14 सितंबर को बिहार के भागलपुर से मोहम्मद मकसूद नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया था। प्रारंभिक पूछताछ में मालूम हुआ कि मकसूद राम मंदिर निर्माण से गुस्सा था।

28 मई 2024- पहले एक ट्वष्ठ से इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई। फिर 112 पर कॉल आई। राम मंदिर को उड़ाने की धमकी मिलते ही पुलिस ने साइबर एक्सपर्ट और सर्विलांस टीम को तुरंत एक्टिव किया। दहशत न फैले, इसलिए पुलिस ने अंदरखाने जांच की। जांच में धमकी देने वाले की लोकेशन कुशीनगर की निकली। पुलिस ने धमकी देने वाले बलुआ तकिया क्षेत्र के रहने वाले एक 16 साल के किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

मोदी 17 जनवरी को पहली वंदे भारत स्लीपर का उद्घाटन करेंगे:

गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी; 6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस की भी लॉन्चिंग

नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पहली वंदे भारत स्लीपर 17 जनवरी से कोलकाता और गुवाहाटी के बीच चलेगी। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन में करेंगे। यह ट्रेन 6 दिन कामाख्या और हावड़ा जंक्शन के बीच चलेगी। इसके अलावा 6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस भी लॉन्च की जाएंगी। इनकी सेवाएं 17 और 18 जनवरी 2026 से मिलना शुरू हो जाएंगी। दिल्ली में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में शुक्रवार को वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे में 2026 में एक बड़ा बदलाव होगा। सभी तरह के सुधारों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल शामिल है।

भारत के स्टार्टअप और इनोवेटिव दिमागों को रेलवे से जोड़ेंगे

रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक नया स्ट्रक्चरल तरीका अपनाया जाएगा। टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के लिए एक नया स्ट्रक्चरल तरीका पेश किया जाएगा, ताकि भारत के स्टार्टअप और इनोवेटिव दिमाग रेलवे से जुड़ सकें। इसके लिए एक टेक्नोलॉजी इनोवेशन पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। रखरखाव की गतिविधियों के लिए AI का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाएगा।

वेनेजुएला का तेल भारत को देगा अमेरिका:

ट्रम्प दुनिया की बड़ी ऑयल कंपनियों के अफसरों से मिले; रिलायंस भी तेल खरीद सकती है

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका, भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की इजाजत दे सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन के एक सीनियर अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारी के मुताबिक यह सब अमेरिका की निगरानी और शर्तों के साथ होगा। हालांकि इससे जुड़ी शर्तें क्या हैं, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। इसका मतलब यह है कि अमेरिका के प्रतिबंधों की वजह से जो व्यापार रुका हुआ था, वह अब फिर से शुरू हो सकता है। वहीं, रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस भी चाहती है कि अमेरिका उसे

वेनेजुएला का तेल खरीदने की इजाजत दे दे। दूसरी ओर ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट में दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। यहां उन्होंने वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में करीब 9 लाख करोड़ रुपए के निवेश की बात कही।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने तेल खरीदना बंद किया था वेनेजुएला पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (OPEC) का सदस्य है। उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लेकिन वह वैश्विक सप्लाई का सिर्फ करीब 1' ही देता है। अमेरिका ने 2019 में वेनेजुएला पर बहुत कड़े आर्थिक प्रतिबंध (सेंक्शंस) लगा दिए थे, अमेरिका ने सेकेंडरी सेंक्शंस भी लगा दिए, यानी जो भी देश या कंपनी वेनेजुएला से तेल खरीदती है, उसे अमेरिकी बाजार में व्यापार करने या बैंकिंग सुविधाओं से रोक दिया जा सकता था। इस वजह से कई देशों ने वेनेजुएला का तेल खरीदना बंद कर दिया। भारत भी वेनेजुएला से बहुत ज्यादा तेल खरीदता था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि तब भारत अपने कुल तेल आयात का लगभग 6' वेनेजुएला से लेता था। अगर भारत को फिर से वेनेजुएला का तेल खरीदने की अनुमति मिल जाती है, तो उसे अलग-अलग देशों से तेल मंगाने का एक और विकल्प मिलेगा। इससे भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। अमेरिका ने कुछ समय के लिए (2023-2024 में) वेनेजुएला पर आंशिक रूप से सेंक्शंस ढील किए, जिससे भारत ने फिर से वेनेजुएला से तेल खरीदा।

2024 में भारत का आयात औसतन 63,000 से 1 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। इसके बाद 2025 में वेनेजुएला से भारत का तेल आयात बढ़कर करीब 1.41 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'ऑफलाइन मां चाहिए, ऑनलाइन नहीं'

तकनीक के दौर में खोता बचपन और मां का बदलता स्वरूप

आज का समय तकनीक का समय है। मोबाइल, इंटरनेट, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और सोशल मीडिया ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसी सुविधा की चकाचौंध में हम अनजाने ही सबसे कीमती चीज़ को खोते जा रहे हैं–बचपन और माँ की ममता का जीवंत स्पर्श। 'ऑफलाइन माँ चाहिए, ऑनलाइन नहीं' जैसा विचार केवल एक बच्चे का निबंध नहीं, बल्कि हमारे समय का आईना है, जो समाज को कठोर सच दिखा रहा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

सर्दी की छुट्टियों में एक शिक्षक ने बच्चों को मां पर निबंध लिखने का कार्य दिया। अधिकांश बच्चों ने माँ के त्याग, प्रेम और संघर्ष को शब्दों में सजाया, लेकिन एक बच्चा–जो शांत, एकांतप्रिय और सृजनशील था–उसने जो लिखा, उसने पूरे तंत्र को झकझोर दिया। उसके निबंध का शीर्षक था– 'मुझे ऑफलाइन मां चाहिए, ऑनलाइन नहीं।'

यह शीर्षक अपने आप में एक प्रश्न नहीं, बल्कि आरोप है–हम सब पर। उस बच्चे ने लिखा कि उसे पढ़ी-लिखी, मोबाइल में उलझी, हर सवाल का जवाब गूगल से खोजने वाली माँ नहीं चाहिए। उसे अनपढ़ या कम पढ़ी-लिखी मां चाहिए, जो साड़ी पहनकर अपने आँचल में उसे समेट सके, लोरी सुना सके, मिट्टी से सने कपड़ों को प्यार से झाड़ सके। उसे जींस-टॉप वाली, ऑनलाइन पिज़्ज़ा-बर्गर ऑर्डर करने वाली माँ नहीं, बल्कि घर में गुलगुले, पकोड़े और खीर बनाने वाली मां चाहिए।

यह किसी आधुनिक मां का अपमान नहीं था, बल्कि उस भावनात्मक खालीपन की पुकार थी, जिसे तकनीक ने जन्म दिया है।बच्चा यह नहीं कह रहा था कि तकनीक गलत है। वह यह कह रहा था कि तकनीक ने मां को उससे दूर कर दिया है। माँ पास में होते हुए भी दूर हो गई है–मोबाइल की स्क्रीन के पीछे। वह माँ जो पहले बच्चे के स्कूल से लौटते ही काम छोड़कर उसे गले लगाती थी, आज 'एक मिनट' कहकर स्क्रीन में खोई रहती है। यही 'एक मिनट' धीरे-धीरे बच्चे के जीवन से माँ को बाहर कर देता है। आज बच्चे सवाल पूछते हैं, तो जवाब गूगल से आता है। कहानी माँ की ज़ुबान से नहीं, यूट्यूब से सुनाई जाती है। खिलौने ऑनलाइन ऑर्डर होते हैं, रिश्ते नहीं। माँ की गोद, जो कभी दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह होती थी, आज मोबाइल और लैपटॉप के बीच सिमटती जा रही है। यह निबंध पढ़ते हुए शिक्षक की आँखों में आँसू आ गए, क्योंकि यह किसी एक बच्चे की पीड़ा नहीं थी, बल्कि एक पूरी पीढ़ी की चुप चीख थी। बच्चे स्तब्ध थे, क्योंकि वे उसी सच्चाई से रूबरू हो रहे थे, जिसे वे जी रहे हैं, लेकिन शब्द नहीं दे पा रहे थे। और वह बच्चा–जिसने यह लिखा–स्वाभिमान के साथ खड़ा था, क्योंकि उसने सच लिखा था। यहाँ सवाल यह नहीं है कि ऑनलाइन शिक्षा या तकनीक गलत है। सवाल यह है कि क्या हमने संतुलन खो दिया है? क्या हमने सुविधा के नाम पर संवेदना को त्याग दिया है? एक बच्चा दिन में घंटों मोबाइल पर रहता है–कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी खेल के नाम पर। माँ भी मोबाइल पर–कभी सोशल मीडिया, कभी चैट, कभी ऑनलाइन काम। दोनों एक ही कमरे में होते हैं, लेकिन दोनों की दुनिया अलग-अलग होती है। इसे ही सबसे खतरनाक दूरी कहा जा सकता है–भावनात्मक दूरी।

बचपन स्क्रीन से नहीं, स्पर्श से बनता है।
संस्कार ऐप से नहीं, अनुभव से आते हैं।

मां का आँचल कोई वाई-फाई नेटवर्क नहीं, जिसे जब चाहा जोड़ा और जब चाहा काट दिया।

यदि आज हम बच्चों को समय नहीं देंगे, तो कल वे हमें समय नहीं देंगे।

यदि आज मां केवल 'ऑनलाइन' रहेगी, तो कल बच्चे रिश्तों से 'ऑफलाइन' हो जाएंगे।

यह भीम प्रज्ञा का संपादकीय चिंतन किसी माँ को दोषी ठहराने के लिए नहीं है, बल्कि एक चेतावनी है–समय रहते संभलने की। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसे रिश्तों पर हावी न होने दें। मां आधुनिक हो सकती है, शिक्षित हो सकती है, कामकाजी हो सकती है–लेकिन माँ का मूल स्वरूप नहीं खोना चाहिए।

क्योंकि बच्चा अंत में यही कहेगा–

'मुझे नेटवर्क वाली मां नहीं चाहिए, मुझे मेरी मां चाहिए।'

ईरान में अस्थिरता भारत के लिए बहुआयामी चुनौती

विनोद पाठक

ईरान के 31 में से 27 प्रांतों में जनता सड़कों पर है। सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके करीबियों के पलायन की योजना पर काम करने की खबरें हैं। सोशल मीडिया ईरान में एक बार फिर जनविद्रोह की खबरों से भरा पड़ा है। दरअसल, नववर्ष 2026 का सूर्य ईरान के लिए केवल एक नई सुबह लेकर नहीं आया है, बल्कि यह उस इस्लामिक सत्ता के अस्तित्व पर सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न लगा रहा है, जो वर्ष 1979 की क्रांति के बाद से कायम है। भारत के हितों की बात करें तो ईरान केवल एक भौगोलिक पड़ोसी या व्यापारिक साझीदार नहीं है, यह हमारे वेस्ट एशिया विजन की धुरी है। चाबहार से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक ईरान की हर एक लहर का प्रभाव नई दिल्ली के गलियारों में महसूस किया जा रहा है। ईरान की ढहती मुद्रा और अमेरिका-इजरायल का बढ़ता सामरिक दबाव इस बात का संकेत है कि मध्य-पूर्व में सत्ता का संतुलन एक निर्णायक मोड़ पर है। ईरान में वर्तमान में जो विद्रोह हम देख रहे हैं, वह रातों-रात पैदा नहीं हुआ है। इसकी जड़ें वर्ष 2022 के %स्त्री, जीवन, स्वतंत्रता% आंदोलन में हैं, लेकिन इस साल का यह विद्रोह उससे कहीं अधिक व्यापक और घातक है। ईरान की अर्थव्यवस्था वर्तमान में फ्री-फॉल की स्थिति में है। इसी माह ईरानी रियाल का मूल्य गिरकर 1.47 मिलियन प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।

बढ़ती महंगाई और उत्पन्न संकट: जब मुद्रा इतनी तेजी से गिरती है तो वह केवल आर्थिक आंकड़ा नहीं रह जाती, बल्कि एक सामाजिक ज्वालामुखी बन जाती है। 60 प्रतिशत से अधिक की महंगाई ने ईरान के मध्यम वर्ग को खत्म कर दिया है। ईरानी जनता अब मानती है कि उनकी गरीबी का कारण केवल अमेरिकी प्रतिबंध नहीं, बल्कि शासन के भीतर व्याप्त भारी भ्रष्टाचार और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का अर्थव्यवस्था पर एकाधिकार है। गुरुवार को ईरान में इंटरनेट और संचार ब्लैकआउट शासन की कमजोरी का सबसे बड़ा प्रमाण है। जब कोई सरकार सूचना के मार्ग बंद करती है तो वह डरी हुई होती है। कई अंतरराष्ट्रीय खुफिया रिपोर्ट दावा कर रही हैं कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके करीबियों ने पलायन की योजना पर काम शुरू कर दिया है। खामेनेई की मास्को निकलने की खबरों ने जोर पकड़ा हुआ है। शासन के भीतर यह भगदड़ इसलिए है, क्योंकि इस बार सुरक्षा बलों (बसीज और पुलिस) के भीतर से भी विद्रोह के स्वर उठ रहे हैं।

ईरान संकट में अमेरिका और इजरायल की भूमिका: ईरान के इस संकट में बाहरी शक्तियों, विशेषकर अमेरिका और इजरायल की भूमिका ने आग में घी डालने का काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वापसी ने वाशिंगटन की नीति को प्रतिबंधों से बदलकर सक्रिय हस्तक्षेप की ओर धकेल दिया है। फिर वेनेजुएला में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक मिसाल पेश की है। ट्रंप ने तेहरान को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उन्होंने अपने नागरिकों पर बल प्रयोग किया तो अमेरिका उनके बचाव में आएगा। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी बेड़े की बढ़ती मौजूदगी यह संकेत दे रही है कि अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकानों या नेतृत्व पर सीधे प्रहार के लिए लॉक्ड एंड लोडेड है। ईरान में अस्थिरता भारत के लिए एक बहुआयामी चुनौती है। भारत की विदेश नीति हमेशा से रणनीतिक स्वायत्तता पर टिकी रही है, लेकिन नए साल का संकट भारत को एक पक्ष चुनने या अपनी रणनीति को पूरी तरह बदलने के लिए मजबूर कर सकता है। चाबहार बंदरगाह भारत की मध्य एशिया तक पहुंचने की एकमात्र उम्मीद है, जो पाकिस्तान को दरकिनार करती है। भारत ने चाबहार में करोड़ों डॉलर का निवेश किया है। यदि ईरान में गृहयुद्ध छिड़ता है या शासन पूरी तरह बदलता है तो इस परियोजना का भविष्य अनिश्चित हो जाएगा। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, जो मुंबई से मॉस्को तक जाता है, ईरान के माध्यम से गुजरता है। इस मार्ग की सुरक्षा और सुचारुता भारत की व्यापारिक रणनीति के लिए अनिवार्य है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा ओमान की खाड़ी और फारस की खाड़ी से प्राप्त करता है। दुनिया का 20 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज स्ट्रेट के संकरे मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो भारत में तेल की कीमतें आसमान छूने लगेंगी। 120-150 डॉलर प्रति बैरल तेल का मतलब है, भारतीय राजकोषीय घाटे का अनियंत्रित होना और आम जनता पर महंगाई का बोझ होगा। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि ईरान में अस्थिरता पूरे क्षेत्र (खासकर इराक और लेबनान) में फैलती है तो भारत को इतिहास का सबसे बड़ा निकासी अभियान चलाना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इजरायल और ईरान, दोनों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखे हैं, लेकिन अब भारत को अपनी बैलेंसिंग एक्ट को और अधिक धारदार बनाना होगा। भारत को अमेरिका और इजरायल के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि ईरान में शासन बदलता भी है तो वह भारत के हितों के प्रतिकूल न हो। भारत को अपनी छवि शासन के मित्र के बजाय ईरान के लोगों के मित्र के रूप में पेश करनी होगी, ताकि भविष्य में होने वाले किसी भी बदलाव में भारत प्रासंगिक बना रहे। भारत को इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर पर काम तेज करना होगा, ताकि ईरान पर हमारी निर्भरता कम हो सके। ईरान का वर्तमान संकट केवल एक देश की समस्या नहीं है। यह 20वीं सदी के अंत में बनी इस्लामिक थियोक्रेसी और 21वीं सदी की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के बीच का टकराव है। भारत के लिए यह समय बहुत सावधानी से चलने का है। भारत को अपनी नौसेना को अरब सागर में और अधिक सक्रिय करना होगा। अपने सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व को भरना होगा और अपनी कूटनीति को प्रो-एक्टिव बनाना होगा। यदि ईरान जलता है तो उसकी तपिश भारत तक जरूर आएगी। भारत को न केवल अपने हितों की रक्षा करनी है, बल्कि इस क्षेत्र में स्थिरता के लिए एक उत्तरदायी वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभानी है। ईरान का भविष्य अभी भी कोहरे में है, लेकिन भारत का स्पष्ट मार्ग राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए।

> भारत के हितों की बात करें तो ईरान केवल एक भौगोलिक पड़ोसी या व्यापारिक साझीदार नहीं है, यह हमारे वेस्ट एशिया विजन की धुरी है। यदि ईरान जलता है तो उसकी तपिश भारत तक जरूर आएगी। भारत को न केवल अपने हितों की रक्षा करनी है, बल्कि इस क्षेत्र में स्थिरता के लिए एक उत्तरदायी वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभानी है।

देश का अगला एआई हब बनने की ओर अग्रसर राजस्थान

विकास सोमानी
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर

जयपुर में हाल ही में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 केवल एक तकनीकी आयोजन नहीं था, बल्कि यह संकेत था कि राजस्थान अब प्रशासन, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से नए सिरे से परिभाषित करने की तैयारी कर रहा है। यह सम्मेलन इस प्रश्न को भी जन्म देता है कि क्या राजस्थान सचमुच भारत के अगले प्रमुख एआई हब के रूप में उभर सकता है—और यदि हाँ, तो इसके लिए नीति, राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक क्रियान्वयन किस दिशा में आगे बढ़ेंगे।

आज शासन व्यवस्था केवल फाइलों और प्रक्रियाओं से नहीं, बल्कि डेटा, विश्लेषण और त्वरित निर्णयों से संचालित हो रही है। ऐसे में एआई कोई विलासिता नहीं, बल्कि सुशासन की अनिवार्यता बन चुका है। राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस ने यह स्पष्ट किया कि राज्य सरकार अब पारंपरिक प्रशासनिक सोच से आगे बढ़कर डेटा-आधारित नीति-निर्माण और स्मार्ट गवर्नेंस की ओर कदम बढ़ा रही है। शिकायत निवारण, योजना निगरानी, सेवा वितरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में एआई का उपयोग प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता दोनों को सुदृढ़ कर सकता है।

इस दिशा में केन्द्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा जयपुर को तकनीकी और डिजिटल नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित करने को लेकर की गई घोषणा विशेष महत्व रखती है। यह घोषणा केवल एक शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से केंद्र सरकार का यह दृष्टिकोण सामने आता है कि राजस्थान जैसे राज्य भी अब देश के तकनीकी भविष्य में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। यदि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप इकोसिस्टम और आईटी उद्योग को योजनाबद्ध ढंग से विकसित किया गया, तो जयपुर उत्तर भारत का एक मजबूत टेक हब बन सकता है।

> मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा एआई और डिजिटल गवर्नेंस को प्राथमिकता देना भी इसी बदलती सोच का परिचायक है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं के सरलीकरण, ई-गवर्नेंस के विस्तार, निवेश को प्रोत्साहन और तकनीकी शिक्षा पर दिया जा रहा बल यह दर्शाता है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि विकास के रणनीतिक उपकरण के रूप में देख रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा एआई और डिजिटल गवर्नेंस को प्राथमिकता देना भी इसी बदलती सोच का परिचायक है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं के सरलीकरण, ई-गवर्नेंस के विस्तार, निवेश को प्रोत्साहन और तकनीकी शिक्षा पर दिया जा रहा बल यह दर्शाता है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि विकास के रणनीतिक उपकरण के रूप में देख रही है। राज्य सरकार के मंत्रियों द्वारा आईटी, स्टार्टअप्स, स्किल डेवलपमेंट और स्मार्ट सिटी से जुड़ी घोषणाएँ इस दिशा में सकारात्मक संकेत देती हैं।

हालाँकि, एआई हब बनने का सपना केवल घोषणाओं से पूरा नहीं होगा। इसके लिए नीति में स्थिरता, संस्थागत ढांचा, कुशल मानव संसाधन और निजी क्षेत्र के साथ प्रभावी साझेदारी आवश्यक है। राजस्थान के पास शैक्षणिक संस्थान, युवा आबादी और प्रशासनिक केंद्र के रूप में जयपुर जैसी राजधानी का लाभ है। यदि इन संसाधनों को सही दिशा में जोड़ा गया, तो एआई आधारित उद्योग, डेटा एनालिटिक्स, हेल्थटेक और एग्रीटेक जैसे क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार यह रेखांकित करते रहे हैं कि राजस्थान विकास, निवेश और नवाचार की असीम संभावनाओं वाला राज्य है। उनका यह भी मानना रहा है कि डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों की सफलता राज्यों में तकनीक के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करती है। एआई के माध्यम से शासन को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना इसी राष्ट्रीय दृष्टि का विस्तार है।

केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी जनकल्याणकारी योजनाएँ पहले ही यह साबित कर चुकी हैं कि तकनीक से शासन में पारदर्शिता और विश्वास बढ़ाया जा सकता है। एआई के समावेश से इन योजनाओं की निगरानी और प्रभावशीलता और अधिक बढ़ाई जा सकती है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक लाभ सुनिश्चित हो।

अंततः प्रश्न यही है कि क्या राजस्थान इस अवसर को ऐतिहासिक बदलाव में बदल पाएगा। राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 ने संभावनाओं का द्वार अवश्य खोला है। अब आवश्यकता है निरंतर राजनीतिक प्रतिबद्धता, व्यावहारिक नीति और समयबद्ध क्रियान्वयन की। यदि ऐसा हुआ, तो राजस्थान केवल एआई अपनाने वाला राज्य नहीं, बल्कि देश को दिशा देने वाला एआई मॉडल स्टेट भी बन सकता है।

खतरे में विश्व व्यवस्था, बेलगाम होते ट्रंप

वेनेजुएला पर हमला करने और डेनमार्क के स्वायत्तशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड पर बलपूर्वक कब्जा करने की धमकी देने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अधिक बेलगाम हो गए हैं। अब उन्होंने एक ऐसे विधेयक को सहमति प्रदान की, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ थोपेगा। चूंकि रूस से तेल खरीदने वाले प्रमुख देश चीन, भारत और ब्राजील हैं, इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता कि वे इस मनमानी मान्यता से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं कि रूस से तेल खरीदने वाले देश ही उसे यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में सहायक हैं। ट्रंप ने भारत पर पहले से ही 50 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा है। इसमें और अधिक वृद्धि का मतलब है आर्थिक प्रतिबंध लगाना। ट्रंप किस तरह मनमानी पर उतर आए हैं, इसका एक प्रमाण उनकी ओर से 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को अलग करना भी है। इनमें भारत के नेतृत्व वाला अंतरराष्ट्रीय सौर सहयोग संगठन भी है। अमेरिका ने जिन संगठनों से खुद को अलग करने की घोषणा की है, उनमें करीब 30 संयुक्त राष्ट्र के हैं। ट्रंप इसके पहले भी अनेक महत्वपूर्ण वैश्विक संस्थानों से अमेरिका को अलग कर चुके हैं। अब उन्होंने जिस तरह थोक में कई संगठनों से बाहर आने का फैसला किया, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि वे विश्व व्यवस्था को पूरी तौर पर छिन्न-भिन्न करना चाहते हैं। ट्रंप अपने मनमानेपन से दुनिया को शीत युद्ध के दौर में ही नहीं, बल्कि उसके पहले के उस कालखंड में ले जा रहे हैं, जब विश्व व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं थी। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि दुनिया उनकी धमकियों और सनक भरे फैसलों के समक्ष झुक जाएगी तो ऐसा होने वाला नहीं है। ध्यान रहे कि अब यूरोप भी उनके खिलाफ आवाज उठाने को बाध्य है। ट्रंप कितना ही गर्जन-तर्जन करें, आज अमेरिका की वैसी हैसियत नहीं, जैसी दो-तीन दशक पहले हुआ करती थी। अब डालर का वर्चस्व भी कम हो रहा है। ट्रंप को यह आभास होना चाहिए कि वे तमाम जोर लगाने के बावजूद यूक्रेन पर रूस के हमले रोक पाने में नाकाम हैं। चीन और ब्राजील पर भी उनका जोर नहीं चल पा रहा है और भारत का भी यही स्पष्ट संदेश है कि वह उनके दबाव में झुकने वाला नहीं। इसी कारण ट्रंप की भारत के प्रति बौखलाहट बढ़ती जा रही है। आने वाले दिनों में भारत-अमेरिका संबंध और अधिक खराब हो सकते हैं। भारत को अब यह और अच्छे से स्पष्ट करना होगा कि वह ट्रंप की मनमानी सहन करने वाला नहीं। उसे अमेरिका को यह संदेश देने के साथ ही यह भी देखना होगा कि विश्व के प्रमुख राष्ट्रों से मिलकर कैसे ट्रंप की दादागीरी का सामना किया जाए, क्योंकि अब इसके अलावा और कोई उपाय नहीं रह गया है।

पश्चिम बंगाल का बदलता राजनीतिक माहौल

अवधेश कुमार

पश्चिम बंगाल का राजनीतिक तापमान चरम बिंदु पर पहुंचता दिख रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता स्थित राजनीतिक परामर्श से जुड़ी फर्म आइपैक के दफ्तर में मनी लांड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे को मुद्दा बनाकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। ममता का कहना है कि भाजपा ईडी के जरिये तृणमूल कांग्रेस के आइटी प्रमुख के घर पर छापा डालकर पार्टी का आंतरिक डाटा जब्त करने का प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में हाल में गृहमंत्री अमित शाह का तीन दिवसीय बंगाल दौरा भाजपा के लिए चुनावी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पत्रकार वार्ता के माध्यम से पार्टी के मुद्दे स्पष्ट किए, सांसदों, विधायकों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की तथा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी की तरह बंगाल में भी सरकार बनाने का संदेश देते हुए कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई देता है। कांग्रेस की शुरुआत बंगाल से हुई थी, लेकिन आज वहां वह शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाममोर्चा भी पिछले विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत भाजपा 41 प्रतिशत मतों और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भले ही 2019 की तुलना में भाजपा की सीटें घटी हों, लेकिन 39 प्रतिशत मत और 12 सीटें यह दर्शाती हैं कि तृणमूल कांग्रेस के समानांतर उसका एक ठोस जनाधार विकसित हो चुका है। ऐसे में यदि भाजपा इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का दावा कर रही है तो उसे केवल अतिशयोक्ति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। हालांकि 2021 में भी भाजपा इसी तरह आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी, लेकिन तृणमूल कांग्रेस से काफी पीछे रह गई थी। बंगाल में 2021 के मुकाबले आज राजनीतिक माहौल काफी बदल चुका है। पड़ोसी देश बांग्लादेश की घटनाओं का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण बंगाल पर असर और अधिक है। बंगाल में लगभग 30 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तथा भाजपा-विरोधी वामपंथी सोच रखने वाले मतदाताओं का बड़ा वर्ग तृणमूल कांग्रेस की शक्ति रहा है। सामान्यतः माना जाता है कि या तो मुस्लिम मतों में गहरा विभाजन हो या हिंदू मतों का व्यापक ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में हो, तभी वहां सत्ता परिवर्तन संभव है। सरकार के विरुद्ध आक्रामक रुख अपनाने वाली तृणमूल बांग्लादेश में विशेषकर हिंदुओं के विरुद्ध हुई हिंसा पर न तो तीखे बयान दे रही है और न ही कोई बड़ा विरोध-प्रदर्शन कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के बाहर पकड़े गए घुसपैठियों के पास 24 परगना क्षेत्र के आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र मिलने से प्रमाणित हुआ है कि वाममोर्चा और फिर ममता सरकार के दौरान बांग्लादेश से घुसपैठ हुई है।

> ममता सरकार के दौरान सामने आए सत्तापोषित भ्रष्टाचार के मामले, विरोधियों का दमन, आरजी कर मेडिकल कालेज से लेकर संदेशखाली तक महिलाओं के शोषण के आरोप, मुस्लिम कट्टरवाद को बढ़ावा, बेरोजगारी, पलायन और विकास की धीमी गति जैसे मुद्दे तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जा रहे हैं।

अकॉलेज की परीक्षाओं का टाइम सुबह 8:00 बजे की बजाय 10:00 बजे से करवाने की मांग को लेकर SFI ने दिया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमकाथाना।

छात्र संगठन एसएफआई ने शनिवार को शेखावाटी विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षाओं की समय सारणी को संशोधन करवाने की मांग को लेकर कुलगुरु के नाम से प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। एसएफआई नीम का थाना जिला अध्यक्ष विष्णु कुमार नायक ने प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि अभी शेखावाटी विश्वविद्यालय ने स्नातक परीक्षाओं की टाइम टेबल जारी किया है उसमें स्नातक प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा का टाइम सुबह 8:00 बजे से 11:00 बजे तक का रखा है। तो आज छात्र संगठन में एसएफआई इस बात का विरोध कर रहा है क्योंकि वर्तमान समय में ठंड बहुत भयंकर है और ऐसे में विद्यार्थी ग्रामीण परिवेश से चलकर अपने-अपने परीक्षा केंद्रों तक रोजाना नहीं पहुंच सकते क्योंकि ग्रामीण परिवेश से यातायात की समस्या रहती है और एक तरफ ठंड इतनी ज्यादा है की जहां पर जिला कलेक्टर स्कूलों की तो ठंड की वजह से छुट्टी करते हैं और इधर कॉलेज वाले बच्चों को सुबह 8:00 बजे से परीक्षा देने को बोलते हैं 8:00 बजे से परीक्षा शुरू होने का मतलब है 7:30 बजे परीक्षा केंद्रों के अंदर प्रवेश बंद हो जाता है। इसलिए विद्यार्थियों को 7:00 बजे परीक्षा केंद्र तक पहुंचाना पड़ेगा जो कि हर हाल में इस कड़ाके की ठंड में एक चुनौती से कम नहीं। दिनेश बबेरवाल पुर्व छात्रसंघ सचिव ने बताया कि ग्रामीण परिवेश से आने वाले प्रत्येक विद्यार्थी इतना सक्षम नहीं है कि वह अपने व्यक्तिगत साधन से परीक्षा देने पहुंच सके और सबसे खास समस्या लड़कियों के लिए है जब ऐसी हालत हो रखे हैं कि 11:00 तक कोहरा खत्म नहीं होता तो ऐसे में लड़कियां सुबह 5:00 बजे घर से कैसे निकल सकते हैं। छात्र नेता रिहान कूरैशी ने बताया कि यह समस्या केवल राजकीय महाविद्यालय खेतड़ी की ही नहीं है बल्कि शेखावाटी विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी महाविद्यालय के बच्चों की समस्या है तो जल्द से जल्द परीक्षा का समय है 10:00 बजे से शुरू किया जाए अन्यथा छात्र संगठन एसएफआई सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू करेगा। इस दौरान मौजूद रहें दिनेश बबेरवाल पुर्व छात्रसंघ सचिव,इशिका प्रजापति, लक्ष्मी शेखावत, प्रियंका कुमावत, प्रज्ञा, रुखसार, पुष्पेंद्र सिंह,जानू ,सैनी, राहुल नायक, ललित कुमार, तेजपाल सहित सैकड़ो विद्यार्थी उपस्थित रहें।

डूमोली कलां में शहीद ईश्वर सिंह की प्रतिमा का अनावरण, वीरों को दी श्रद्धांजलि

सांसद ओला बोले– सैनिकों की बदौलत झुंझुनूं दुनिया में सिरमौर, वीरों की धरती पर देशभक्ति की मिसाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

गांव डूमोली कलां में शनिवार को भारतीय सेना की छह पैरा फोर्स के शहीद कमांडो ईश्वर सिंह गुर्जर की प्रतिमा अनावरण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में जनप्रतिनिधियों, पूर्व सैनिकों और ग्रामीणों की बड़ी उपस्थिति के बीच शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अतिथियों ने किया प्रतिमा अनावरण

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजेन्द्र सिंह ओला रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नांगल चौधरी विधायक मंजू चौधरी, विजय सिंह बैसला, शकुंतला रावत तथा जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सुरेश जांगिड़ उपस्थित रहें। समारोह की अध्यक्षता विधायक श्रवण कुमार ने की। इसके अतिरिक्त पूर्व प्रधान मदन लाल गुर्जर सहित अनेक गणमान्य जन मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत अतिथियों द्वारा विधिवत रूप से शहीद ईश्वर सिंह की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई।

झुंझुनूं वीरों की भूमि– ओला

मुख्य अतिथि सांसद विजेन्द्र सिंह ओला ने अपने संबोधन में कहा कि झुंझुनूं जिला वीरों की भूमि के नाम से जाना जाता है। यहां बच्चों को बचपन से ही देश सेवा और बलिदान की प्रेरणा दी जाती है। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं के सैनिकों की बदौलत यह जिला दुनिया में सिरमौर बना हुआ है।

वीर शहीद राष्ट्र के गौरव– श्रवण कुमार

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर योद्धा हम सभी के लिए पूजनीय हैं। किसी भी मांगलिक कार्य में सबसे पहले ऐसे वीरों का स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी देश की सीमाओं पर हलचल होती है, झुंझुनूं जिले के सैनिक अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अदम्य साहस का परिचय देते हैं।

शहीद ईश्वर सिंह का संक्षिप्त जीवन परिचय

शहीद कमांडो ईश्वर सिंह गुर्जर, पुत्र लीलाधर गुर्जर, भारतीय सेना की छह पैरा कमांडो यूनिट में तैनात थे और उनकी पोस्टिंग जम्मू-कश्मीर के डोडा क्षेत्र में थी। दिसंबर 2024 में छुट्टी पूरी कर वे ड्यूटी पर लौटे थे। ड्यूटी के दौरान अचानक बर्फबारी में नाले में गिरने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान 8 जनवरी 2025 को उन्होंने वीरगति प्राप्त की। शहीद ईश्वर सिंह तीन भाइयों में मंझले थे। उनके परिवार में बेटियां प्रिया व ज्योति तथा पुत्र आकाश हैं। उन्होंने वर्ष 2002 में बैंगलोर से सिपाही के पद पर भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा की शुरुआत की थी।

ग्रामीणों ने रखी विकास संबंधी मांगें

समारोह के दौरान ग्रामीणों ने गांव में सड़क निर्माण तथा शहीद स्मारक स्थल पर पानी व बिजली की स्थायी व्यवस्था की मांग को लेकर जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा। बड़ी संख्या में लोग रहें उपस्थित इस अवसर पर पूर्व प्रधान विमला गुर्जर, जगदीश गुर्जर, कैप्टन केसर देव, जतन गुर्जर, डीपी सैनी, सत्यवीर दौराता, शमशेर चौधरी, मनोज श्योराण, योगेश गुर्जर, डॉ. शीशराम गुर्जर, जय सिंह, अशोक, रामकिशन, रमेश, संत कुमार, रामेश्वर, धर्मपाल, जेपी खटाना, प्रकाश भरगड़, ख्यालीराम रोजड़ा सहित अनेक ग्रामीण व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समारोह देशभक्ति, सम्मान और बलिदान की भावना से ओतप्रोत रहा, जहां पूरे गांव ने एक स्वर में शहीद ईश्वर सिंह गुर्जर को नमन करते हुए उनके बलिदान को सदा स्मरणीय बनाए रखने का संकल्प

मनरेगा के नाम में बदलाव व किए गए संशोधन को बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेसः रमेश ठेकेदार

45 दिन तक जागरूकता अभियान चलाएगा कांग्रेस एससी डिपार्मेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया। कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार की अगवाई में उनके कार्यालय पर मनरेगा योजना को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता वेदप्रकाश विद्रोही भी मुख्य रूप से मौजूद रहें। इस मौके पर कांग्रेस प्रवक्ता वेदप्रकाश विद्रोही ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मनरेगा का नाम बदलना नहीं, बल्कि इसे खत्म करने की सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब, दलित और मजदूर विरोधी सोच के तहत उस योजना पर हमला कर रही है, जो करोड़ों ग्रामीण परिवारों की रोज़ी-रोटी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि केंद्र के मजदूरी अंशदान में कटौती से राज्यों और श्रमिकों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है। बजट-सीमित आवंटन से रोजगार घटने और ग्रामीण संकट बढ़ने की आशंका जताई गई। वहीं जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने कहा कि मनरेगा कांग्रेस की ऐतिहासिक देन है और इसे खत्म करने की कोशिश संविधान और सामाजिक न्याय पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मनरेगा के नाम में बदलाव व किए गए संशोधन को बर्दाश्त नहीं करेगी। साथ ही कहा कि भाजपा सरकार ने जानबूझकर इस योजना को कमजोर किया है, ताकि गरीब मजदूर बेरोजगार होकर पतन की ओर चले जाएं। रमेश ठेकेदार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मनरेगा से छेड़छाड़ और मजदूरों के साथ हो रहे अन्याय को तुरंत बंद नहीं किया गया, तो कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट सड़कों पर उतरकर 45 दिन तक लगातार आंदोलन करेगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस गरीबों का हक छीनने नहीं देगी और आखिरी दम तक इस लड़ाई को लड़ेगी। एससी डिपार्टमेंट के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल फांडन और प्रधान मीर सिंह चावरिया ने कहा कि भाजपा सरकार केवल कॉरपोरेट घरानों की सेवा में लगी है और गांव, किसान व मजदूर उसकी प्राथमिकता में नहीं हैं। मनरेगा के काम बंद कराए जा रहे हैं और कागजों में झूठा विकास दिखाया जा रहा है। ?इस मौके पर एससी डिपार्टमेंट के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल फांडन, प्रधान मीर सिंह चावरिया, खूबराम पूर्व सरपंच नंदरामपुर बास, राजेंद्र गहलोत, मामराज, रविदत्त, गौरीशंकर, इंद्रजीत, सुदेश, हरिराम सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहें।

सूरजगढ़ के विकास को समर्पित जननेता सेवाराम गुप्ता

भीम प्रज्ञा व्यक्तित्व परिचय@ दिलीप शर्मा।

सूरजगढ़ के भाजपा नेता सेवाराम गुप्ता अपनी कुशल प्रशासनिक क्षमता, नवाचारपूर्ण सोच और जनहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के कारण सार्वजनिक जीवन में एक सशक्त, ईमानदार और परिणामोन्मुख जननेता के रूप में पहचाने जाते हैं। बीते लगभग पाँच दशकों से वे राजनीति के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी सक्रिय भूमिका निभाते आ रहें हैं।

सेवा और सामाजिक दायित्व की परंपरा

सेवाराम गुप्ता सेवा की उस परंपरा के प्रतिनिधि हैं, जिसकी नींव सेठ डूंगरमल द्वारा दान, त्याग और समाजहित के कार्यों से रखी गई थी। वे उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए अंत्योदय की भावना से प्रेरित होकर समाज के जरूरतमंद, कमजोर और वंचित वर्ग के आर्थिक-सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर समर्पित रहते हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सहयोग

विद्यार्थियों की शिक्षा, दिव्यांगजनों की सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और गरीब परिवारों की मदद जैसे विषयों पर उनकी सक्रिय भागीदारी वर्षों से सूरजगढ़ की जनता देख रही है। बृजलाल पालीराम विद्यालय सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों के कार्यों में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है।

विकास की मजबूत आवाज

सेवाराम गुप्ता ने सूरजगढ़ के विकास को अपना ध्येय मानते हुए स्थानीय मुद्दों को जयपुर से लेकर दिल्ली तक प्रभावी ढंग से उठाया। उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, सड़क व परिवहन व्यवस्था और विद्युत आपूर्ति जैसे आधारभूत क्षेत्रों में सूरजगढ़ ने बीते वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अनेक जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ।

गौ सेवा और पर्यावरण संरक्षण

सूरजगढ़ क्षेत्र में वर्षों से उनके सहयोग से गौ सेवा के अंतर्गत बेसहारा और घायल पशुओं का उपचार किया जा रहा है। गौशालाओं और सेवा संस्थाओं को आर्थिक सहयोग देकर उन्होंने इस नेक पहल को मजबूती प्रदान की है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है, जहां वृक्षारोपण और हरियाली बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

पारिवारिक सहयोग और प्रेरणा

सार्वजनिक जीवन में उन्हें धर्मपत्नी पुष्पा गुप्ता का निरंतर सहयोग मिला, जिन्होंने सूरजगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त कार्यकाल पूरा किया। सेवाराम गुप्ता अपने पिता से मिली प्रेरणा और पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत को आदर्श मानते हुए 'गरीब को गणेश' समझकर कार्य करने की सोच रखते हैं।

व्यक्तित्व का काव्यात्मक चित्रण

युवा कवि सुरेश सनातनी की पंक्तियाँ उनके व्यक्तित्व को सार्थक रूप में प्रस्तुत करती हैं–

सेवाराम मूरत, सेवा की ही मान।
समाज चिंतन में दिया, सारा जीवन जान।।
लोक कल्याण के भानु, आभा चारों ओर।
नूतन भोर का संदेश, बने जनहित की डोर।।

जनता के विश्वास का प्रतीक

सेवाराम गुप्ता आज सूरजगढ़ में विकास, सेवा और विश्वास का प्रतीक बन चुके हैं। उनका सार्वजनिक जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प, ईमानदारी और सेवा भावना से क्षेत्र की तस्वीर बदली जा सकती है। सूरजगढ़ की जनता उन्हें एक ऐसे जननेता के रूप में देखती है, जो शब्दों से अधिक कार्यों पर विश्वास रखता है।

जयपुर में कांग्रेस पर्यावरण प्रकोष्ठ का 'पर्यावरण बचाओ संकल्प दिवस' आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़/जयपुर।

कमल किशोर पंवार। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा शुक्रवार को जयपुर में 'पर्यावरण बचाओ संकल्प दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व केबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पूर्व खेल मंत्री एवं विधायक अशोक चांदना, आदर्श नगर विधायक रफीक खान सहित अनेक वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहें। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर संकल्प लिया गया तथा पर्यावरण बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया गया।कार्यक्रम के सफल आयोजन पर पर्यावरण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील पारीक एवं उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी गई। कार्यक्रम के बाद शुक्रवार को ही जयपुर में जिला अध्यक्षों एवं प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें लोकेश जांगिड़ के नेतृत्व मे कार्यकर्ताओ ने भाग लिया।संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई।

6वीं वर्ल्ड एमेच्योर कराटे प्रतियोगिता में बगड़ स्पोर्ट्स जॉन एकेडमी के खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बगड़।

बगड़ स्पोर्ट्स जॉन एकेडमी के लिए गर्व की बात है कि एकेडमी के खिलाड़ी 6वीं वर्ल्ड एमेच्योर कराटे प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 10 से 12 जनवरी तक उत्तराखंड के देहरादून स्थित नेशनल परेड ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। एकेडमी के डायरेक्टर राकेश सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में बगड़ स्पोर्ट्स जॉन एकेडमी के कुल 9 खिलाड़ी भाग लेंगे। भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में रमन वर्मा, धर्मवीर कुमार, रूपेश, वर्षा मान, दीपिका डांगी, वासु सोमरा, आर्यन कुमावत, योगेश चौधरी एवं सूर्यांश कटेवा शामिल हैं।डायरेक्टर राकेश सैनी ने बताया कि खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की है और उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन की पूरी उम्मीद है। खिलाड़ियों के चयन पर एकेडमी में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर CISF इंस्पेक्टर कपिल लांबोरिया, रिंकू सैनी, एकेडमी अकाउंटेंट पूनम कुमावत, क्रिकेट कोच निखिल सैनी, मुस्कान भारद्वाज सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

चिड़ावा पंचायत समिति ने ग्राम पंचायतों को अतिक्रमण चिन्हित कर सूचना भेजने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

पंचायत समिति चिड़ावा की ओर से ग्राम पंचायतों में अतिक्रमण के मामलों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। विकास अधिकारी पंचायत समिति चिड़ावा द्वारा जारी आदेश में सभी ग्राम विकास अधिकारियों व प्रशासकों को अपने-अपने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में चारागाह, तालाब व गोचर भूमि पर हुए अतिक्रमण को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि संबंधित ग्राम पंचायतों में स्वामित्व एवं अतिक्रमण से जुड़े सभी मामलों का विवरण तैयार कर रजिस्टर संधारित किया जाए। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में संकलित कर शीघ्र ही उच्चाधिकारियों को भिजवाई जाए।यह आदेश जिला परिषद झुंझुनूं के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पत्र के संदर्भ में जारी किया गया है। पंचायत समिति ने स्पष्ट किया है कि सभी ग्राम पंचायतें निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें, ताकि सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई समयबद्ध रूप से की जा सके।

कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना से सम्मानित हुई छात्रा निशा यादव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद। नीमराना - राव सोहनलाल पीजी महाविद्यालय नीमराना की छात्रा निशा पुत्री मुकेश यादव निवासी खोरी को कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना के तहत नोडल महाविद्यालय द्वारा स्कूटी प्रदान करने पर छात्रा का महाविद्यालय पहुंचने पर स्वागत सम्मान कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय कोऑर्डिनेटर प्रियंका यादव द्वारा छात्रा को माल्यार्पण एवं पुष्प गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। प्रबंध निदेशक नीरज सिंह यादव ने कहा कि समस्त छात्राओं को छात्रा की सफलता से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। साथ ही राज्य सरकार की अन्य लाभकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। छात्रा निशा यादव ने अपने उद्बोधन में राज्य सरकार की योजना की सराहना की और महाविद्यालय का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉक्टर कौशल कुमार यादव, महाविद्यालय कोऑर्डिनेटर प्रियंका यादव, पूजा यादव, नरेंद्र यादव, राजेश चौधरी सहित समस्त छात्राएं उपस्थित रही।

जिला कारागृह में 327 कैदियों की हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन से हुई टीबी की स्क्रीनिंग

भीम प्रज्ञा न्यूज़

झुंझुनू। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत विशेष समूहों में टीबी रोग के लिए जांच शिविरों को आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को जिला कारागृह में विशेष शिविर लगाकर जेले के समस्त कैदियों की हैंड-डेल्ड मशीन से एक्स-रे कर टीबी की स्क्रीनिंग की। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विजयसिंह ने बताया कि विशेष समूहों में टीबी की स्क्रीनिंग के लिए विभाग ने जिले में हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन का आंवटन किया है, जिससे नियमित रूप से जिले में शिविर लगाकर संभावित टीबी रोगियों के एक्स-रे किए जा रहे है। इसी क्रम में जिला कारागृह में समस्त कैदियों का मशीन से एक्स-रे किये गए है, एक्स-रे के बाद अब एआई रिपोर्ट के आधार पर सस्पेक्ट कैदियों के बलगम की जांच करवाई जाएंगी। जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि इस मशीन को प्रत्येक ब्लॉक के लिए सात दिवस के लिए आंवटन किया जाएगा, जहां एक्स-रे की सुविधा नही होने वाले स्वास्थ्य केंद्र व विशेष समूहों में शिविर लगाकर संभावित टीबी रोगियों की इस हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन से टीबी की स्क्रीनिंग की जाएंगी। कारागृह अधीक्षक गंगाराम ने बताया कि कैदियों के बेहत्तर स्वास्थ्य के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस प्रकार प्रत्येक कैदी के लिए एक्स-रे की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग का धन्यवाद दिया।

सिकरीबंद शिवालय में पोष बडा, महाआरती व भजन- कीर्तन का हुआ आयोजन

गौमाता के लिए गौ सवामणी का भी किया आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

सिकरीबंद शिवालय में शनिवार को पोष बड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान शिव को प्रसाद का भोग लगाकर महाआरती का आयोजन किया गया तथा श्रद्धालु भक्तों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की । इससे पूर्व मंदिर परिसर की सजावट की गई तथा भगवान शिव के दरबार का आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने भगवान शिव के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि में कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय कलाकारों ने शानदार भजनों की प्रस्तुति दी। इससे पूर्व शनिवार को प्रातः 10 बजे 51 किलों दलिया की गौ सवामणी तैयार गौमाता को खिलाई गई।

आमजन शीत लहर व कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए जिला प्रशासन की ओर से जारी एडवाइजरी की करें पालना : डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने कड़ाके की ठंड व शीत लहर के मद्देनजर आमजन से की सावधानी बरतने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

शीत लहर व अत्यधिक सर्दी के चलते शीत-घात से बचाव को लेकर हरियाणा सरकार द्वारा विशेष एडवाइजरी जारी की है। डीसी अभिषेक मीणा ने आम नागरिकों से शीत लहर व सर्दी से बचाव के लिए एडवाइजरी की पूर्ण रूप से पालना करते हुए सावधानी बरतने की अपील की है। डीसी ने बताया कि आमजन सावधानी बरतकर सर्दी से अपना व अपने पशुओं का बचाव कर सकते हैं। सर्दी से बचाव के लिए आमजन अपने पास पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। घर में ठंडी हवा का प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। जितना संभव हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। गर्म कपड़े पहनें ताकि ठंड बिल्कुल न लगे। खुद को सूखा रखें और पानी में भीगने से बचें। शरीर की गरमाहट बनाए रखने के लिए अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढककर रखें। गीले कपड़े तुरंत बदलें। हाथों में दस्ताने रखें। फेफड़ों को बचाने के लिए मास्क का प्रयोग करें।

कोहरे में ओवरटेक करने से बचें चालक

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सर्दी के मौसम में घने कोहरे के दौरान विशेषकर सुबह और रात के समय कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो जाती है। ऐसे में वाहन चालकों को सीमित गति में, अपनी निर्धारित लेन में रहकर और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए वाहन चलाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके और नागरिक सुरक्षित यात्रा कर सकें। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि वे धुंध के मौसम में गलत दिशा में वाहन न चलाएं और धुंध के समय जहां तक संभव हो ओवरटेक करने से बचें। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक नियमों का पालन कर ही हम अपने और दूसरों के सफर को सुरक्षित बना सकते हैं। उन्होंने वाहन चालकों से जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की है।

शीत लहर व ठंड से बचाव के लिए इन बातों की करें पालना :

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि सिर पर टोपी या मफलर पहने, स्वास्थ्य वर्धक भोजन लें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पीएं, इससे ठंड से लडऩे के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी। शराब का सेवन न करें, यह शरीर के तापमान को कम करता है। बुजुर्ग लोगों, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का विशेष ध्यान रखें। जरूरत के अनुसार ही रूम हीटर का प्रयोग करें तथा रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें। उन्होंने कहा कि शीत-घात से बचने के लिए मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो/टीवी/समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया प्रकाशन का ध्यान रखें ताकि यह पता चल सके कि आगामी दिनों में शीतलहर की संभावना है या नहीं। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि बंद कमरों में कोयले को जलाना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने बताया कि शीतलहर के दौरान पशुधन को जीवन यापन के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है क्योंकि ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। रात के समय पशुओं के आवास को सभी तरफ से ढक दें

प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच का उदयपुरवाटी शहर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच उदयपुरवाटी एकदिवसीय दौरे पर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । निकटवर्ती सिविल न्यायालय तहसील परिसर के सामने भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष एडवोकेट लक्ष्मण राम सैनी के नेतृत्व में प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच का साफा व माला पहना कर भाजपा शहर मंडल की तरफ से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया इस दौरान। भाजपा के सभी श्रेष्ठ वरिष्ठ कार्य करता उपस्थित रहे। पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश सैनी महामंत्री राजेन्द्र ढेनवाल अशोक सैनी लीला धर डूडी राजेंद्र मेघवाल अजय भालोठिया बसंत चौधरी सतपाल मावलिया गिरधारी लाल राठी रोहिताश मेघवाल बीरबल सैनी ठेकेदार उपाध्यक्ष शिंभू दयाल सैनी रतन शर्मा पार्षद घनश्याम स्वामी दिनेश सैनी मंगल चन्द खारड़िया मुकेश मीणा अमित सैनी हरिश शर्मा ओमप्रकाश सेनी कैलाश सैनी प्रभुदयाल सैनी प्रदीप सैनी दोलतराम चांवरिया गिरधारी लाल कनवा जगदीश सैनी रमाकांत महाराज कालूराम सामोता आदि थे।

अमेरिका में हार्ट अटैक से युवक की मौत, 12 दिन बाद जाट बहरोड़ पहुंचा शव, गांव में नम आंखों से हुआ अंतिम संस्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंदनीमराना। - खेरथल-तिजारा जिले के जाट बहरोड़ गांव निवासी विपिन चौधरी (24) का अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हार्ट अटैक से निधन हो गया। विपिन वहां एक शॉपिंग मॉल में बिलिंग का काम करता था। 29 दिसंबर की रात उसने परिवार से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी और खुद को पूरी तरह स्वस्थ बताया था, लेकिन अगली सुबह 30 दिसंबर को जब वह नहीं उठा तो साथ रहने वाले दोस्तों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पोस्टमार्टम। की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद विपिन का शव शुक्रवार को जॉर्जिया से भारत के लिए रवाना किया गया। शुक्रवार रात शव दिल्ली पहुंचा, जहां से एंबुलेंस के जरिए उसे उसके पैतृक गांव जाट बहरोड़ लाया गया। शनिवार को गांव में गमगीन माहौल के बीच विपिन का अंतिम संस्कार किया गया। विपिन जून 2024 में नौकरी

की तलाश में अमेरिका गया था। विदेश जाने के लिए उसने अपनी करीब डेढ़ बीघा पुश्तैनी जमीन बेच दी थी और 30 से 40 लाख रुपये तक खर्च किए थे। उसकी योजना थी कि दो-तीन साल कड़ी मेहनत कर अच्छी कमाई करके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करेगा, लेकिन इससे पहले ही यह दर्दनाक हादसा हो गया। परिजनों के अनुसार, शव को अमेरिका से भारत लाने में करीब साढ़े सात लाख रुपये का खर्च आया, जिसे भारत सरकार के इंडियन कम्युनिटी वेलफेयर फंड की मदद से वहन किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (ङ्खह्व) न्यूयॉर्क के अध्यक्ष प्रेम भंडारी की अहम भूमिका रही, जिनके सहयोग से शव को भारत लाना संभव हो सका। विपिन की असमय मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। पिता हवा सिंह चौधरी, माता नीलम देवी, बहनें अर्चना व निशा और दादी ब्रजो देवी गहरे सदमे में हैं।

तिरंगे की रोशनी से जगमगाया ऐदलपुर, हर पोल पर लगी एलईडी ने बदली गांव की तस्वीर

टीम किशनसिंह गिरदावर (भानाशाह) की अभिनव पहल की हो रही सराहना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। उपखंड क्षेत्र के ग्राम ऐदलपुर में देशभक्ति, सौंदर्य और सुरक्षा का अद्भुत संगम देखने को मिला है, जहां टीम किशनसिंह गिरदावर (भामाशाह) की प्रेरणादायी पहल पर गांव के सभी विद्युत पोलों पर तिरंगा रंग की एलईडी लाइटें लगाई गई हैं। इस अभिनव प्रयास से रात होते ही पूरा गांव भारतीय तिरंगे की मनोहारी आभा में नहाता नजर आ रहा है, जिससे ऐदलपुर की पहचान एक जागरूक, अनुशासित और विकसित गांव के रूप में उभरकर सामने आ रही है। तिरंगे की रोशनी से सजी गलियां, चौपालें और रास्ते गांव को न सिर्फ सुंदर बना रहे हैं बल्कि ग्रामीणों के मन में राष्ट्रीय गौरव की भावना को भी और प्रबल

कर रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गांव को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रेरणादायी वातावरण प्रदान करना है ताकि हर नागरिक गर्व के साथ कह सके कि उसका गांव भी विकास और देशभक्ति की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। एलईडी लाइटों से रोशन सड़कों और मोहल्लों में अब रात्रि के समय निर्भय आवागमन संभव हो सकेगा, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सुरक्षा का एहसास होगा। ग्रामीणों का कहना है कि पहले अंधेरे के कारण असुरक्षा और भय बना रहता था, लेकिन अब तिरंगे की रोशनी गांव के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच बन गई है। इस सराहनीय कार्य के दौरान मांगी बैरवा, तेजसिंह, राजेश मीणा, भोजराज, हरीश, समरथलाल, शिवराम, देवगौड़ा, गणेश मीणा, हरिराम, रामकेश, महेंद्र, प्रहलाद, विजेंद्र सहित टीम किशनसिंह गिरदावर (भामाशाह) के अनेक सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह केवल लाइट लगाने का कार्य नहीं, बल्कि गांव में आत्मसम्मान, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना का दीप प्रज्वलित करने जैसा है।

तोदी महाविद्यालय में वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय में एनएसएस एवं रोजगार परामर्श केंद्र के सामूहिक तत्वाधान में विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं तार्किक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 25वीं राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत ने बताया कि प्रतियोगिता में 20 महाविद्यालयों से कुल 35 विभिन्न संकायों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने सदन की राय में ' वर्तमान में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से युवाओं में संस्कार एवं नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा हैं' विषय पर पक्ष-विपक्ष में अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने तार्किक तर्क, विषय की गहराई तथा प्रभावशाली कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन विषय-वस्तु, भाषा शैली, प्रस्तुति एवं आत्मविश्वास के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किया गया। जिसमें पक्ष में प्रथम स्थान पर गिन्नी देवी सत्यनारायण

शेखसरिया महिला महाविद्यालय चिड़ावा की छात्रा अंबिका शर्मा, द्वितीय स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, सुजानगढ़ की योगिता ढूकिया एवं तृतीय स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय लाडनूं की छात्रा शबनम बानो रही। जबकि विपक्ष में प्रथम स्थान मरुधरा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय बासनी के छात्र सुनील कुमार गुर्जर, द्वितीय स्थान पर शेखावाटी महाविद्यालय लोसल के दीपेंद्र कुमार एवं तृतीय स्थान पर श्री रघुनाथ बालिका महाविद्यालय, लक्ष्मणगढ़ की छात्रा दीपिका प्रजापत रही।महाविद्यालय प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल को सुदृढ़ बनाती हैं प्रतियोगिता में निर्णायक की।महत्वपूर्ण भूमिका राष्ट्रीय स्तर के डिबेटर रहे एडवोकेट ओम प्रकाश वर्मा तथा प्रवीण वर्मा द्वारा निभाई गई।इस अवसर पर प्राचार्य डा एन एस नाथावत, संस्था सचिव आशकरण शर्मा, प्रशासक प्रमेंद्र सिंह शेखावत मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ आनन्द शर्मा ने किया । इस अवसर पर एन एस एस इकाई द्वितीय प्रभारी घनश्याम वर्मा, रोजगार कार्यालय प्रभारी महेश कुमार अग्रवाल,नरेश कुमार शर्मा सहित समस्त स्टाफ सदस्यों के साथ साथ छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

बजट पूर्व चर्चा में सीएम से संवाद सीकर जिले से शामिल हुए 8 प्रतिभागी

नयाबास में महान संत सुशीला बाई की स्मृति में पैनोरमा बनाने, राजस्थान में मीणा कल्याण बोर्ड गठन समेत अनेक बिंदुओं पर दिए सुझाव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

सुमेर मीणा । प्रदेश सरकार द्वारा बजट पूर्व चर्चा संवाद बैठक शुक्रवार को सीएमओ में सीएम भजन लाल शर्मा की अध्यक्षता आहुत हुई। जिसमें प्रदेशभर के जिलों से करीब 90 व सीकर जिले से 8 प्रतिभागी शामिल हुए। जिसमें विभिन्न लिखित सुझाव दिए तथा सीएम भजन लाल शर्मा के समक्ष संवाद में चर्चा भी की। सीएम भजन लाल ने सुझावों को गंभीरता से सुना तथा बजट में सम्मिलित करने का आश्वासन दिया। जानकारी मुताबिक सचिवालय जयपुर में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं/ हितधारकों /प्रतिनिधियों / संस्थाओं के व्यक्तियों के बजट पूर्व संवाद हेतु सुझाव कार्यक्रम को लेकर सीएम की अध्यक्षता, जनजाति मामलात मंत्री बाबूलाल खराड़ी, मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, आईएएस कुंजीलाल मीना की मौजूदगी में आयोजित हुआ। इस दौरान रिटायर्ड एएसपी वीरेंद्र मीणा, रिटायर्ड प्रधानाचार्य प्यारे लाल मीणा, सोलर व्यवसाय के युवा उद्यमी ज्ञानप्रकाश झरवाल, कृषि मंडी पूर्व अध्यक्ष महेश मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता चैतन्य मीणा, रिटायर्ड रेलवे

अधिकारी गिरधारी लाल मीणा, किसान नेता ज्ञानचंद मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता लीलाराम मीणा समेत प्रदेशभर से करीब 90 प्रतिभागी शामिल हुए। सीकर प्रतिभागियों द्वारा संवाद

कार्यक्रम में निम्न सुझाव दिए गएः-

वीर बाला कालीबाई के नाम से जिला- सीकर में जनजाति छात्राओं हेतु आवासीय विद्यालय स्थापित किया जाए और छात्रावास बनाया जाए। अनुसूचित जाति / अ.ज.जा. के छात्र/ छात्राओं को राज्य सरकार देय लाभकारी योजनाओं में आर्थिक आय सीमा रुपये 2.50 लाख से बढाकर श्वङ्ख्रस् / ओबीसी के बराबर रुपये 8.00 लाख की जावे।सीकर जिला के गांव नयाबास (नीमकाथाना) में महान् संत सुशीला बाई की स्मृति में पैनोरमा निर्माण करवाया जाए। अ.ज.जा के छगन/ छात्राओं हेतु प्रत्येक तहसील मुख्यालय सीकर जिला में - खण्डेला तहसील मुख्यालय पर डिजीटल पुस्तकालय स्थापित किया जावे। सीकर के करणा राम मीणा, सांवताराम मीणा स्वतंत्रता सेनानी मीणा का स्मारक विकसित किया जावे, और राज्य के पाठ्यक्रम में जीवनी शामिल की जाए। राजस्थान में मध्यप्रदेश के तर्ज पर मीणा कल्याण बोर्ड गठन किया जाए। अ.ज.जा. के छात्र । छात्राओं हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं यथा नीट /जेईई/ सीएलएटी की कोचिंग सेन्टर - सीकर जिला में खोला जाने समेत अनेक बिंदुओं को रखा।

भगवान राम आस्था के प्रतीक है उनके नाम पर गरीबों का हक छीना जाना स्वीकार नहीं-महंत भोले नाथ धारसूल

-महंत भोले नाथ धारसूल, सांसद दिपेंद्र सिंह हुड्डा के विशेष कार्यकर्ताओं में मानें जाने जाते हैं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा। जमालपुर रोड़ स्थित श्री श्याम प्रोपर्टी संस्थान पर बीजेपी द्वारा मनरेगा का नाम बदलकर वीबीजीरामजी कर देश लाखों गरीब मजदूरों के हक छिनने का जो कार्य किया है उसे विरोध में आम जन की आवाज उठाने प्रेस वार्ता की। पत्रकारों से बात करते हुए महंत भोले नाथ धारसूल ने कहा कि जिस तरह केंद्र और प्रदेश में सत्ता में विराजमान बीजेपी ने मनरेगा में भारी बितिय को घाटा दिया गया है काम के दिन आधे रह गए और मजदूरों का अधिकार खत्म कर दिया गया अब

बजट खत्म तो रोजगार खत्म पंचायत की ताकत छिनी जा रही है सब कुछ केंद्र के हाथ में सोपा जा रहा है देश की आबादी का 2 प्रतिशत वाला हमारा हरियाणा अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान देता है फिर भी केंद्र सरकार हरियाणा पर सबसे कम खर्च कर रही है हरियाणा में भर्ती मेडल खर्च सिर्फ 4.5 लाख जबकि महाराष्ट में 13.5 लाख एमपी दिल्ली में 1,13 लाख करोड़ बिहार में एक 1,69 करोड़ यूपी में 7.85 करोड़ गुजरात में 11,21 करोड़ खर्च हो रहा है खेलो इंडिया में 3500 करोड़ बजट में हरियाणा को सिर्फ 80 करोड़ मिला कांग्रेस की पदक लाओ पदक पाओ और सैपट एसपीएटी जैसी खिलाड़ी हितेषी नीतियां खत्म कर दी गई मनरेगा के अंदर अगर इतना ही भ्रष्टाचार था तो पिछले 10 11 सालों से बीजेपी सरकार इसको क्यों चला रही है। मौजूदा बीजेपी नीति देश हित न होकर आम गरीब जन का शोषण कैसे किया उस पर सबसे अधिक केंद्रित है जिसका हम पूरे हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुडा व प्रत्येक नौजवानों की दिलों की धड़कन दिपेंद्र हुडा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करेंगे और आम जन के हको लड़ाई लड़ेगें और इस लिए जो कुर्बानी होगी को खुशी खुशी देंगे।

नशा मुक्ति अभियान को नई गतिः टोहाना में व्यापक जनसंपर्क और काउंसलिंग अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जिले में नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में फतेहाबाद और टोहाना में नशा मुक्ति टीमों ने व्यापक जनसंपर्क, ड्रग पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग और उपचार के लिए अभियान चलाया। फतेहाबाद टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक सुंदर के नेतृत्व में धांगड़ गांव में गली-चौराहों में लोगों से संवाद किया गया। इस दौरान 07 नए ड्रग पीड़ितों की पहचान कर उन्हें काउंसलिंग और आयुर्वेदिक दवा उपलब्ध कराई गई। साथ ही पहले से चिन्हित 12 पीड़ितों का फीडबैक लिया गया और उन्हें आवश्यक

मार्गदर्शन दिया गया।टोहाना टीम, प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में बाल्मिक बस्ती और अन्य गरीब बस्तियों में पहुंची। सैकड़ों लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया और 10 नए नशा पीड़ितों की पहचान की गई। चिन्हित युवाओं और उनके परिवारों की काउंसलिंग की गई तथा उपचार के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त, एफसीआई गोदाम जाखल में सैकड़ों गरीब वर्करों को नशे और इसके उपचार के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने जाखल स्थित प्राइवेट नशा मुक्ति केंद्र का दौरा कर चिकित्सकों से मुलाकात की और सहयोग का आश्वासन लिया। टीम ने बताया कि आगामी दिनों में अन्य क्षेत्रों में सर्वे जारी रहेगा और चिकित्सकों के समन्वय से उपचार कार्य को और प्रभावी बनाया जाएगा। ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत यह पहल न केवल नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों को सहारा दे रही है, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश फैलाते हुए नशा मुक्त भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रही हैं।

नशा मुक्ति अभियान को नई गतिः टोहाना में व्यापक जनसंपर्क और काउंसलिंग अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जिले में नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में फतेहाबाद और टोहाना में नशा मुक्ति टीमों ने व्यापक जनसंपर्क, ड्रग पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग और उपचार के लिए अभियान चलाया। फतेहाबाद टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक सुंदर के नेतृत्व में धांगड़ गांव में गली-चौराहों में लोगों से संवाद किया गया। इस दौरान 07 नए ड्रग पीड़ितों की पहचान कर उन्हें काउंसलिंग और आयुर्वेदिक दवा उपलब्ध कराई गई। साथ ही पहले से चिन्हित 12 पीड़ितों का फीडबैक लिया गया और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।टोहाना टीम, प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में बाल्मिक बस्ती और अन्य गरीब बस्तियों में पहुंची। सैकड़ों लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया और 10 नए नशा पीड़ितों की पहचान की गई। चिन्हित युवाओं और उनके परिवारों की काउंसलिंग की गई तथा उपचार के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त, एफसीआई गोदाम जाखल में सैकड़ों गरीब वर्करों को नशे और इसके उपचार के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने जाखल स्थित प्राइवेट नशा मुक्ति केंद्र का दौरा कर चिकित्सकों से मुलाकात की और सहयोग का आश्वासन लिया।

फतेहाबाद पुलिस की चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई

जिला सहकारी बैंक अयाल्की से दस लाख रुपये चोरी मामले में बैंक का सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चोरी के मामलों में सख्त कार्रवाई के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने जिला सहकारी बैंक की अयाल्की शाखा से 10 लाख रुपये की चोरी के मामले का खुलासा करते हुए बैंक के सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार किया है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि दिनांक 30.12.2025 को शाखा प्रबंधक सुरेश कुमार द्वारा शिकायत दी गई थी कि जिला सहकारी बैंक अयाल्की शाखा की सैफ तिजौरी को बिना किसी तोड़फोड़ के मास्टर-की/अल्टरनेट चाबी के माध्यम से खोलकर 10 लाख रुपये चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत के आधार पर थाना सदर फतेहाबाद में मुकदमा नंबर 459 दिनांक 30.12.2025 धारा 316(5) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। पुलिस जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी अनिल पुत्र अमर सिंह निवासी ढाणी थोबा, जिला फतेहाबाद, जिला सहकारी बैंक में तैनात सुरक्षा गार्ड था। आरोपी ने अवकाश के दौरान बैंक की मास्टर-की/अल्टरनेट चाबी का दुरुपयोग करते हुए सैफ तिजौरी को खोला और 500-500 रुपये के 20 पैकेट, कुल 10 लाख रुपये चोरी किए।आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ जारी है तथा चोरी की राशि की बरामदगी और अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की गहनता से जांच की जा रही है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

वरिष्ठ नागरिकों और संस्थाओं को राज्य पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित

12 जनवरी तक विभाग के पोर्टल पर कर सकते हैं आवेदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

हरियाणा सरकार बुजुर्गों को मान-सम्मान देने और समाज निर्माण में उनके अनुभव का लाभ उठाने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इसी कड़ी में हरियाणा सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और उनके कल्याण के लिए वर्ष 2025-26 के लिए वरिष्ठ नागरिक सम्मान पुरस्कार योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा योजना के तहत समाज सेवा, कला, खेल और बहादुरी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बुजुर्गों को नई पहचान और प्रोत्साहन प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणियों जैसे शतवर्षीय पुरस्कार, श्रेष्ठ माता, शौर्य और बहादुरी, आजीवन उपलब्धि के साथ-साथ वरिष्ठ पेंटर, मूर्तिकार, संगीतकार और खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, श्रेष्ठ पंचायत पुरस्कार, श्रेष्ठ स्वैच्छिक संगठन पुरस्कार, श्रेष्ठ वृद्धाश्रम और श्रेष्ठ दैनिक देखभाल केन्द्र को भी पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार के रूप में कला और खेल श्रेणियों के लिए प्रथम पुरस्कार 50 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 30 हजार रुपए और तृतीय पुरस्कार 20 हजार रुपए निर्धारित है। इसी प्रकार, संस्थागत श्रेणियों (जैसे श्रेष्ठ पंचायत और एनजीओ) के लिए प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपए, द्वितीय 75 हजार रुपए और तृतीय पुरस्कार 50 हजार रुपए प्रदान किया जाएगा। डीसी ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति या संस्थाएं अपनी उपलब्धियों के प्रमाण पत्र और दस्तावेजों सहित विभाग के पोर्टल https//award.socialjusticehry.gov.in पर 12 जनवरी, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन व्यक्तियों या संस्थाओं ने पिछले तीन वर्षों के दौरान यह पुरस्कार प्राप्त किया है, वे उसी श्रेणी में दोबारा आवेदन के पात्र नहीं होंगे।

अनाधिकृत रूप से रह रहे रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए चलाया गया विशेष सर्च अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । रेवाड़ी पुलिस व स्क्वड टीम के साथ शनिवार को थाना कोसली व रामपुरा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बंगला देशी नागरिकों का पता लगाने के लिए एक विशेष सर्च अभियान चलाया। जिसके तहत जिला पुलिस द्वारा ईट भट्ठो सहित विभिन्न स्थानों पर झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर विशेष सर्च अभियान चलाकर अवैध

तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी, विदेशी नागरिक, रोहिंग्या व संदिग्ध लोगों की जांच की गई। इस दौरान पुलिस टीम ने वहा पर रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र भी जांचे। अभियान के तहत पुलिस ने बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित की तथा संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की। इसके साथ ही पुलिस ने वाहनों के कागजातों की भी जांच की। पुलिस अधीक्षक रेवाड़ी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। जिला पुलिस द्वारा बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है और आगे भी इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। जिले में जो भी लोग बाहर से आकर रह रहे हैं उनकी पहचान सुनिश्चित होना अत्यंत आवश्यक है। सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम उठाए जा रहे हैं। सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार अप्रवासी रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करके उनको वापिस भेजने की प्रक्रिया अमल में लाई जावे।

पुलिस अधीक्षक की रेवाड़ी वासियो से अपील:- पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने सभी जिला वासियों से अपील करते हुए कहा है कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवा लें, हो सकता है कोई अपराधी या क्रिमिनल हो। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अनुसूचित जाति के सदस्यों को दिया जाएगा निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण, आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जनवरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

हरियाणा अनुसू?चित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से हरियाणा कौशल विकास मिशन द्वारा हरियाणा राज्य के अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी, 2026 है। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एव विकास निगम के जिला प्रबंधक पवन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण सहायक ब्यूटी थेरेपिस्ट, सहायक हेयर ड्रेसर एवं स्टाइलिस्ट (पुरुष/महिला), ब्राइडल फैशन एवं पोर्टफोलियो मेकअप आर्टिस्ट (केवल महिला), स्व-रोजगार दर्जी (पुरुष/महिला) तथा सहायक फॉल्स सीलिंग एवं ड्राईवॉल इंस्टॉलर (केवल पुरुष) ट्रेडों में दिया जाएगा।

आवेदन की पात्रता

जिला प्रबंधक ने बताया कि आवेदक की आयु 18 से 42 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक हरियाणा राज्य के अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित हो तथा परिवार पहचान पत्र में सत्यापित वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक होनी चाहिए। योग्यता अनुसार 8वी अथवा 10वीं पास होना आवश्यक है। इच्छुक अभ्यर्थी आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो सहित कार्यालय शॉप नंबर-10 पहली मंजिल नई अनाज मंडी रेवाड़ी में आवेदन जमा करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एव विकास निगम शॉप नंबर-10 पहली मंजिल नई अनाज मंडी रेवाड़ी या दूरभाष नंबर 01274-221035 पर संपर्क कर सकते है।

रामकथा: सीता हरण, जटायू उद्धार की लीला ने श्रोताओं को किया भावुक

शबरी के जूठे बेर खाकर श्री राम ने दिया समरसता का संदेश :- धर्मदास महाराज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

फतेहपुर रोड स्थित गोयनका धर्मशाला में चल रही नो दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा के सातवें दिन भगवान श्रीराम की लीलाओं के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए रामकथा में सीता हरण, जटायु उदार और भीलनी (शबरी) के प्रसंग पर प्रकाश डाला गया। कथावाचक श्री धर्मदास महाराज अयोध्या ने भगवान रामकथा में सीता हरण, जटायु उदार और भीलनी (शबरी) के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जहाँ रावण साधु वेश में छल से सीता का हरण करता है, जटायु उन्हें बचाने के लिए प्राण त्यागते हैं, और बाद में भगवान राम शबरी (भीलनी) के जूठे बेर खाकर उनका उद्धार करते हैं। उन्होंने बताया कि ये भक्ति और मर्यादा के प्रतीक है जिसमें जटायु का बलिदान और शबरी की भक्ति को दर्शाता है। उन्होंने सीता हरण प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए

कहा कि पंचवटी में राम, सीता, लक्ष्मण वनवास के दौरान रावण मारीच को स्वर्ण मृग बनाकर भेजता है। सीता के आग्रह पर राम मृग के पीछे जाते हैं, और रावण साधु का वेश धारण कर रेखा लांघने के बाद सीता का हरण कर लेता है। धर्मदास महाराज ने जटायु उद्धार को वीरतापूर्ण संघर्ष बताते हुए कहा कि सीता की पुकार सुनकर वृद्ध गिद्ध जटायु रावण से युद्ध करते हैं और उसके पंख कट जाते हैं। राम को सूचना मिलने पर वे घायल होकर गिरते हैं और राम-लक्ष्मण को सीता हरण की जानकारी देते हैं, जिसके बाद राम उनका अंतिम संस्कार करते हैं। इस अवसर पर शबरी भीलनी के बेर प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए उसे भक्ति और प्रेम का प्रतीक बताया। उन्होंने बताया कि सीता की खोज के दौरान, भगवान राम शबरी नामक भीलनी से मिलते

हैं, जो भगवान की भक्त थीं। शबरी अपने प्रेम और भक्ति के कारण भगवान को जूठे बेर खिलाती हैं, और राम उनके जूठे बेर खाकर उन्हें मोक्ष प्रदान करते हैं। कथा के सातवें दिन शनिवार को गोयनका धर्मशाला में सीताहरण, जटायु उद्धार लीला का सजीव मंचन कर झाकियां सजाई गई। माता सीता के रावण द्वारा हरण कर लिए जाने के बाद भगवान राम लक्ष्मण के रुदन क्रंदन को देख दर्शकों की आंखे नम हो गई। सार्वजनिक आयोजित कथा के सदस्य प्रदीप सोनी, अशोक तंवर, सुनील सोनी, राकेश सोनी, योगेश भूतिया, संदीप कुमार सेन, मनमोहन सेन , रामस्वरूप चोटिया ने बताया कि नो दिवसीय श्री राम कथा के माध्यम से क्षेत्र में धर्म, संस्कार और भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

इकॉनमिक सेल फतेहाबाद की बड़ी कार्रवाई-18.75 लाख रुपये की धोखाधड़ी मामले में दो और सह-आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में इकॉनमिक सेल फतेहाबाद ने सोना छुड़ाने के नाम पर 18 लाख

75 हजार रुपये की धोखाधड़ी के मामले में दो और सह-आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इकॉनमिक सेल फतेहाबाद प्रभारी निरिक्षक सन्दीप ने बताया कि मामले में शिकायतकर्ता राजू सोनी पुत्र ओमप्रकाश, निवासी फतेहाबाद, जो हर्ष ज्वैलर्स, सोनी मार्केट फतेहाबाद के संचालक हैं, ने आरोप लगाया था कि आरोपी बंसी लाल पुत्र मांगे राम निवासी गांव बडोपल ने आई.आई.एफ.एल. फाइनेंस में गिरवी सोना छुड़ाने के बहाने उनसे अलग-अलग माध्यमों से कुल 18,75,000 रुपये हड़प लिए और सोना लेकर फरार हो गया। शिकायत पर थाना शहर फतेहाबाद में मुकदमा संख्या 450 दिनांक 22.11.2025 धारा 316(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। जांच के दौरान मुख्य आरोपी बंसी लाल उपरोक्त को पहले गिरफ्तार किया जा चुका था। आगे की कार्रवाई में पुलिस ने अजय कुमार पुत्र राधेश्याम उर्फ सीताराम निवासी धांगड़ तथा अनूप कुमार पुत्र कृष्ण कुमार निवासी माजरा हाल जवाहर चौक फतेहाबाद को भी गिरफ्तार किया है। इकॉनमिक सेल फतेहाबाद प्रभारी निरिक्षक सन्दीप ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है, ठगी गई राशि की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं तथा अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जिला पुलिस धोखाधड़ी व आर्थिक अपराधों के मामलों में सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

मनुमुक्त 'मानव' ट्रस्ट द्वारा विश्व हिंदी-दिवस समारोह का आयोजन

छह महाद्वीपों और दस देशों के विद्वानों ने की सहभागिता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा विश्व हिंदी-दिवस के सुअवसर पर भव्य वर्चुअल समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छह महाद्वीपों और

भारत, नेपाल, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, कतर, घाना, बुल्गारिया, स्वीडन, ट्रिनिडाड और अमेरिका सहित दस देशों के डेढ़ दर्जन साहित्यकारों और विद्वानों ने सहभागिता की। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) में अंतरराष्ट्रीय हिंदी-केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद्, नई दिल्ली के मानद निदेशक नारायण कुमार मुख्य अतिथि थे, वहीं केंद्रीय त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू (नेपाल) में हिंदी-विभाग की प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. श्वेता दीप्ति, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक द्वय डॉ. दीपक पांडेय तथा डॉ. नूतन पांडेय विशिष्ट अतिथि और विश्व? बैंक, वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. एस. अनुकृति स्वागताध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ. सुनील भारद्वाज द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-गीत के उपरांत ट्रस्टी डॉ. कांता भारती के प्रेरक सान्निध्य और डॉ. पंकज गौड़ के कुशल संचालन में संपन्न हुए इस समारोह के प्रारंभ में चीफ ट्रस्टी डॉ. रामनिवास 'मानव' ने विषय-प्रवर्तन करते हुए हिंदी के वैश्विक विस्तार को अपने एक दोहे के माध्यम से इस प्रकार रेखांकित किया-- चीन, रूस, ब्रिटेन तक, सात समुंदर पार। पूरी दुनिया में हुआ, हिंदी का विस्तार।। उल्लेखनीय है कि लगभग अढ़ाई घटों तक चले इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम में सिडनी (आस्ट्रेलिया) के प्रगीत कुँअर और डॉ. भावना कुँअर, सिंगापुर सिटी (सिंगापुर) की आराधना झा श्रीवास्तव, दोहा (कतर) के डॉ. बैजनाथ शर्मा, अकरा (घाना) की मीनाक्षी सौरभ, सोफिया (बुल्गारिया) की डॉ. मोना कौशिक, स्टॉकहोम (स्वीडन) के सुरेश पांडे, पोर्ट ऑफ स्पेन (ट्रिनिडाड) की आशा मोर तथा भारत से विजयकुमार मिर्चे (महासमुंद), डॉ. सत्यवान सौरभ (हिसार), डॉ. मुकुट अग्रवाल (रेवाड़ी) एवं डॉ. रामनिवास 'मानव', डॉ. जितेंद्र भारद्वाज और डॉ. पंकज गौड़ (नारनौल) आदि कवियों ने काव्य-पाठ द्वारा कार्यक्रम को नई ऊँचाई प्रदान की, जिसे देश-विदेश के श्रोताओं की भरपूर सराहना मिली।

अंधेरे से उजाले तक: एक सच्ची कहानी, जो उम्मीद जगाती है

फतेहाबाद में 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' बना नशा पीड़ितों के लिए जीवनदान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा। नशा सिर्फ शरीर को नहीं खाता, वह इंसान की आत्मा को धीरे-धीरे खोखला कर देता है, रिश्तों से रंग छीन लेता है, घर की हंसी को खामोशी में बदल देता है और सपनों की जगह आंखों में आंसू भर देता है। नशे की गिरफ्त में फंसा इंसान सबसे पहले खुद से हारता है, फिर परिवार से और आखिरकार समाज से कट जाता है। लेकिन कहते हैं–अगर अंधेरे में कोई सच्चे मन से हाथ थाम ले, तो बुझती हुई जिंदगी फिर से रोशन हो सकती है।फतेहाबाद जिले के गांव भरपूर से सामने आई अरुण कुमार की कहानी इसी सच्चाई की मिसाल है। अरुण कभी एक साधारण, मेहनती युवक था। माता-पिता की उम्मीदें उसी से जुड़ी थीं, पत्नी के लिए वह सहारा था और दो छोटे बच्चों का भविष्य उसके कंधों पर टिका था। लेकिन करीब आठ साल पहले नशे ने चुपचाप उसकी जिंदगी में दस्तक दी। पहले चिट्टा और उसके बाद मेडिकल नशा–हर कदम के साथ अरुण अपने परिवार और समाज से दूर होता चला गया। पिता बनने के बाद भी हालात नहीं बदले। घर में गरीबी,

कलह और निराशा ने डेरा डाल लिया और रिश्ते टूटने लगे। परिवार की आंखों में केवल दर्द बचा। अक्सर ऐसे समय में समाज मुंह मोड़ देता है, कहता है– 'यह तो खुद की गलती है।' लेकिन फतेहाबाद में कहानी कुछ और ही लिखी जा रही थी। यहां प्रशासन और समाज ने मिलकर यह तय किया कि नशे में फंसा युवक अपराधी नहीं, बल्कि मदद का हकदार इंसान है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस की यही सोच 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' का आधार बनी–एक ऐसा अभियान जो सजा नहीं देता, बल्कि सहारा देता है; जो डांट नहीं, दिशा देता है। इसी अभियान से प्रेरित होकर गांव भरपूर के सरपंच प्रतिनिधि दिनेश कुमार भारती आगे आए। उन्होंने अरुण को नशेड़ी नहीं, बल्कि अपने गांव का भटका हुआ बेटा माना। उन्होंने अरुण के भाई प्रहलाद से बात की, पुलिस अधीक्षक से मार्गदर्शन लिया और मन में ठान लिया– 'इस युवक को नशे में नहीं, जिंदगी में लौटाना है। इसके बाद शुरू हुआ भरोसे और धैर्य का सफर। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नशा मुक्ति टीम प्रभारी सुंदर लाल ने अरुण की लगातार काउंसलिंग की। उसे समझाया गया, संभाला गया और बार-बार यह एहसास दिलाया

गया कि वह अकेला नहीं है। करीब तीन महीने तक अरुण को नशा मुक्ति केंद्र में रखा गया। इलाज चला, दवाइयां मिलीं और हर दिन उसे यह सिखाया गया कि जिंदगी अभी खत्म नहीं हुई है। इस कहानी का सबसे भावुक पहलू यह है कि अरुण के इलाज का खर्च सरपंच प्रतिनिधि दिनेश कुमार भारती ने खुद उठाया। न कोई प्रचार, न कोई दिखावा–बस एक सच्चा संकल्प कि एक परिवार टूटने से बच जाए। और आज वही अरुण कुमार पूरी तरह नशा मुक्त है। उसकी आंखों में अब शर्म नहीं, आत्मसम्मान है। पत्नी प्रीतम देवी की आंखों में डर की जगह सुकून है। बेटे रचित और जतिन आज गर्व से अपने पिता का हाथ थामे चलते हैं। जो घर कभी उजड़ चुका था, वहां फिर से हंसी लौट आई है। साथ ही नशे की जड़ों पर सख्त कार्रवाई भी लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के नेतृत्व में जिले में करीब 347 अभियोग दर्ज किए गए, जिसमें 725 नशा तस्करों को जेल भेजा गया और करोड़ों रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया गया। यह दर्शाता है कि यह लड़ाई सिर्फ भावनाओं की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की भी है। अरुण की कहानी ने कई और कहानियों को जन्म दिया। प्रेरित होकर जिले के 9 गांवों की पंचायतों–फूला, बुर्जा, चिम्मो, चदों, मुशींवाला, लधुवास, अलीपूर बरोटा और कुनाल ने आगे आकर अपने-अपने गांवों के नशे से ग्रस्त दो-दो युवाओं को गोद लेने का संकल्प लिया। सरपंच अपने स्तर पर उनके इलाज, भोजन और देखभाल की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। यह दिखाता है कि जब समाज जागता है, तो बदलाव सिर्फ संभव नहीं, बल्कि स्थायी होता है। यह कहानी सिर्फ अरुण कुमार की नहीं है। यह हर उस परिवार की कहानी है, जो किसी अपने को नशे में खो चुका है। यह उस सोच की कहानी है, जो कहती है कि 'अगर एक युवा बच गया, तो एक परिवार बच गया... और अगर परिवार बचा, तो समाज बच गया।' आज 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' केवल एक सरकारी अभियान नहीं रहा। यह नशे के अंधेरे में भटके हर इंसान के लिए उम्मीद की किरण बन चुका है–एक नई शुरुआत, एक नई रोशनी।

कैंब्रिज स्कूल सिमनी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिमनी।

कैंब्रिज स्कूल सिमनी के विद्यार्थियों ने वर्ष 2025 की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शानदार सफलता अर्जित कर विद्यालय, क्षेत्र एवं अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से पूरे विद्यालय परिसर में हर्ष और गर्व का वातावरण बना हुआ है। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा 2025 में कैंब्रिज स्कूल की होनहार छात्रा प्रिया पुत्री हरिकिशन, निवासी बडबर ने सफलता प्राप्त कर इतिहास रच दिया। प्रिया न केवल इस कठिन परीक्षा में उत्तीर्ण हुईं, बल्कि वे अपने गांव की पहली चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का गौरव भी हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए एक बड़ी प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है। प्रिया ने अपनी सफलता का श्रेय कैंब्रिज स्कूल के अनुभवी

शिक्षकों के मार्गदर्शन, विद्यालय के अनुशासित शैक्षणिक वातावरण तथा अपने माता-पिता के निरंतर सहयोग को दिया। इसी क्रम में भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा में कैंब्रिज स्कूल की एक अन्य प्रतिभाशाली छात्रा दीपांशु पुत्री दिनेश कुमार, निवासी सागा ने भी सफलता अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसके अतिरिक्त भारतीय लागत लेखाकार संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षा 2025 में भी कैंब्रिज स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस परीक्षा में नवदीप पुत्र संदीप कुमार निवासी बडबर, हिमांशु भाटी पुत्र सुरेंद्र कुमार भाटी निवासी सिंघाना, लोकेश पुत्र हरकेश निवासी कुहाड़वास तथा कुशल अग्रवाल पुत्र रमेश अग्रवाल निवासी सिंघाना ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों की सूची में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में विद्यालय प्रांगण में स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ एवं सम्मान प्रतीक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर कैंब्रिज शिक्षा समूह के निदेशक रहीश यादव ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कैंब्रिज शिक्षा समूह का उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्तम, गुणवत्तापूर्ण और व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यार्थी आज शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। यह उपलब्धि अनुभवी शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों की लगन और अभिभावकों के विश्वास का संयुक्त परिणाम है। संस्थान सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य रवीन्द्र जांगिड़ ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। वहीं कैंब्रिज शिक्षा समूह के चेयरमैन हरिकृष्ण यादव ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को इस स्वर्णिम सफलता पर बधाई दी

जयपुर एयरपोर्ट पर 3 फ्लाइट कैंसिल हुईं:अहमदाबाद और हिसार के पैसेंजर्स हुए परेशान, असमंजस की स्थिति हुई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.

जयपुर। शनिवार को जयपुर एयरपोर्ट का फ्लाइट शेड्यूल पूरी तरह गड़बड़ा गया। अलग- अलग एयरलाइंस की तीन फ्लाइट्स अचानक रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आखिरी वक्त पर उड़ानें कैंसिल होने से पैसेंजर्स का ट्रैवल प्लान बिगड़ गया। दरअसल, जयपुर से अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6E - 7031, जो दोपहर 1 बजकर 35 मिनट पर रवाना होने वाली थी, उसे संचालन कारणों का हवाला देते हुए रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही अहमदाबाद से जयपुर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E - 7523, जो 3 बजकर 30 मिनट पर जयपुर पहुंचने वाली थी, उसे भी कैंसिल कर दिया गया। दोनों फ्लाइट्स को अंतिम समय पर रद्द किए जाने से एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स में नाराजगी देखने को मिली। इंडिगो एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को रिफंड और वैकल्पिक फ्लाइट का विकल्प देने की बात कही गई है, लेकिन अचानक हुए इस बदलाव के कारण बड़ी संख्या में पैसेंजर असमंजस की स्थिति में नजर आए। कई पैसेंजर्स ने बताया कि होटल बुकिंग, कनेक्टिंग फ्लाइट और अन्य जरूरी काम प्रभावित हुए हैं। अलायंस एयरलाइंस की फ्लाइट भी रद्द हुई इसके अलावा अलायंस एयरलाइंस की जयपुर से हिसार जाने वाली फ्लाइट 9I - 859 भी उड़ान से ठीक पहले रद्द कर दी गई। यह फ्लाइट सुबह 11 बजकर 10 मिनट जयपुर से रवाना होकर दोपहर 12 बजकर 10 मिनट हिसार पहुंचने वाली थी। एयरलाइन ने इसे भी ऑपरेशनल कारणों से कैंसिल किया। इस फ्लाइट के रद्द होने से उन पैसेंजर्स को खासा नुकसान उठाना पड़ा, जो जरूरी कामों और निजी कार्यक्रमों के लिए हिसार जा रहे थे। पैसेंजर्स की नाराजगी दिखी बता दें कि लगातार हो रही फ्लाइट कैंसिलेशन से पैसेंजर्स में एयरलाइंस के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। पैसेंजर्स ने मांग की है कि उड़ानों को रद्द करने की सूचना समय रहते दी जाए,

एसए-20 शानदार मंच पर IPL से तुलना नहीं कर सकते : जेपी डुमिनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज जेपी डुमिनी ने एसए20 लीग को दक्षिण अफ्रीका और दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए शानदार मंच करार दिया लेकिन साथ ही कहा कि इसकी तुलना इंडियन प्रीमियर लीग से नहीं की जा सकती। डुमिनी ने कहा कि एसए20 लीग की शुरुआत से स्थानीय प्रतिभावान खिलाड़ियों को दुनिया भर के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के अधिक अवसर मिल रहे हैं जिससे देश के क्रिकेट को फायदा हो रहा है। डुमिनी ने एसए20 द्वारा आयोजित ऑनलाइन मीडिया बातचीत के दौरान कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसे आप आईपीएल के

बराबर रख सकते हैं। मेरे लिए आईपीएल गोल्ड स्टैंडर्ड है। और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। मुझे लगता है कि आप आईपीएल से जरूर सीख सकते हैं। हमारे लिए एसए20 निश्चित रूप से एक दीर्घकालीन विजन है।' उन्होंने कहा, 'और इससे भी जरूरी बात यह है कि विश्व स्तरीय ढांचे के साथ दक्षिण अफ्रीकी प्रतिभा पर जोर दिया जा रहा है। आप उस प्रतिभा को कैसे ढूंढते हैं और एक और मंच कैसे देते हैं जिससे कि बेहद दबाव वाले और शीर्ष स्तरीय माहौल के बीच दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों को चुनने का मौका मिले।' डुमिनी ने कहा, 'जब 2008-2009 में आईपीएल शुरू हुआ तो भारतीय खिलाड़ियों को दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला। यह आपके प्रदर्शन और आपकी सोच को बेहतर बनाता है। और मुझे लगता है कि एसए20 के पास भी अब यही मौका है।' एसए20 लीग के प्रभाव का जिक्र करते हुए डुमिनी ने कहा, 'यह दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है, दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना है। आपको खुद को बेहतर बनाना होगा। यह दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के साथ दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए अच्छा प्रदर्शन करके चयन के मौके पाने का अवसर है। और मुझे लगता है कि यह एक और शानदार मंच देता है।'

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

वुहान, एजेंसी। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया,

जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।' 'झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पार्क में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी।

● ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी रेसलिंग चैंपियनशिप में दिखी दमदार कुश्ती

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पहलवानों का शानदार प्रदर्शन

चंडीगढ़, एजेंसी। देश भर की 200 से ज़्यादा यूनिवर्सिटियों के रेसलरों ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ की देखरेख में और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ऑल-इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी रेसलिंग ग्रीको-रोमन और फ्रीस्टाइल चैंपियनशिप 2025-26 में ताकत, कौशल और सहनशक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। पांच दिन तक चलने वाली इस नेशनल चैंपियनशिप में 2,700 से ज़्यादा रेसलर हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन रेसलिंग स्टाइल की 20 वेट कैटेगरी में गुरुवार को चौथे दिन भी मुकाबले जारी रहे। अब तक 1,500 से ज़्यादा मुकाबले हो चुके हैं। इस प्रतिष्ठित नेशनल स्तर की चैंपियनशिप में सम्पूर्ण भारत से रेसलिंग टैलेंटज़बरदस्त परफॉर्मेंस दे रहे हैं। पहले दिन, ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, राजीव गांधी खेल रत्न और पद्म श्री और अर्जुन अवॉर्ड विजेता योगेश्वर दत्त मुख्य अतिथि तथा प्रोफेशनल कबड्डी खिलाड़ी और अर्जुन अवॉर्ड विजेता मनजीत छिल्लर विशिष्ट अतिथि के रूपमें उपस्थित थे।

एकतरफ़ा मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के कपिल दलाल ने बीएमयू,हरियाणा के साहिल को 15-7 पॉइंट्स से हराकर 60 किग्रा ग्रीको रोमन कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। एलपीयू ,पंजाब के शुभम शर्मा और डीआरएसपीएम, झारखंड के अभिषेक कुमार को अपने-अपने मुकाबलों में ब्रॉन्ज़ मेडल से ही संतोष करना पड़ा। एक और एकतरफ़ा फ़ाइनल मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के दीपांशु ने पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सचिन को 10-0 से हराकर 65 किग्रा वर्ग में फ़्रीस्टाइल कैटेगरी में गोल्ड जीता। इसी भर वर्ग कैटेगरी में, एमडीयू , हरियाणा के रोहित ने भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी महाराष्ट्र के आदर्श को 11-0 पॉइंट्स से हराकर ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। एक रोमांचक फ़ाइनल मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पारस ने एमएसबीयू, राजस्थान के अंकित को 11-8 पॉइंट्स से हराकर 79 किग्रा फ़्रीस्टाइल कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। इसी वेट कैटेगरी में, सिंघानिया यूनिवर्सिटी के विजय और सीबीएलयू , हरियाणा के अमित ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीते।

बर्फ बेचने वाले के बेटे ने जीता गोल्ड मेडल: भाई को खोया, पिता का सहारा बने

नई दिल्ली, एजेंसी। जब कोलकाता की गलियों में एक साधारण सा युवक पिता के साथ ब्लड बैकों तक बर्फ पहुंचाता है, तब शायद ही कोई सोच सकता है कि वही शख्स भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतने का सपना देख रहा है। लेकिन यही हैं राजा दास। एक साधारण परिवार से निकलकर असाधारण मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के पेंचक सिलाट चैंपियन। 33 वर्षीय राजा दास जब मैट पर उतरते हैं तो उनके वार सिर्फ प्रतिद्वंद्वी पर नहीं, बल्कि गरीबी, संघर्ष और हालात पर भी पड़ते हैं।

हथियारों की कोरियोग्राफी से मार्शल आर्ट तक- राजा दास को बचपन से ही मार्शल आर्ट का शौक था, लेकिन कराटे और ताइक्वांडो उन्हें आकर्षित नहीं करते थे। उनका झुकाव हथियारों की कोरियोग्राफी की ओर था।

फीफा वर्ल्ड कप 2026:

फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना टिकटॉक

ब्राजील टूर्नामेंट से पहले खेलेगा दो मैत्री मैच

जिनेवा, एजेंसी। फीफा ने इस करार की कीमत, निविदा प्रक्रिया या अन्य प्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं का विवरण साझा नहीं किया। इससे पहले 2022 कतर विश्व कप में 'यूट्यूब' का एक सीमित प्रायोजन समझौता हुआ था जिसमें क्रिएटर्स को विशेष अनुमति मिली थी। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए 'टिकटॉक' को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है। इस साझेदारी के अंतर्गत 'कंटेंट क्रिएटर्स' को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं। फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष 'हब' के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से अधिक यूजर हैं। फीफा ने कहा, 'इसके अलावा बड़ी संख्या में क्रिएटर्स को फीफा के 'आर्काइव' फुटेज का इस्तेमाल और इन्हें साथ में बनाने का मौका भी मिलेगा।'

अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया से मैत्री मैच खेलेगा ब्राजील

ब्राजील फुटबॉल टीम इस साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के अंतर्गत अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील 11 जून से 19 जुलाई के बीच होने वाले विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी। फिर टीम का सामना छह दिन बाद फिलेडेल्फिया में हैती से होगा। ब्राजील 24 जून को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का समापन करेगी। प्रमोटरों ने घोषणा की कि ब्राजील की टीम 26 मार्च को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में फ्रांस से भिड़ेगी और

अर्जुन एरीगैसी बने शतरंज के तीनों फॉर्मेट में देश के नंबर एक खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अर्जुन एरीगैसी भले ही फीडे कैंडिडेट में बनाने से चूक गए हो पर विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज में उन्होने दो पदक अपने नाम करते हुए विश्वनाथन आनंद के एक ही बार में दो पदक हासिल करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है हालांकि आनंद ने रैपिड में स्वर्ण और ब्लिट्ज़ में कांस्य जीता था जबकि अर्जुन नें दोनों ही कांस्य पदक हासिल किया , हालांकि आनंद के बाद उन्होने अब एक और कारनामा किया है वह है तीनों फॉर्मेट में देश का नंबर एक खिलाड़ी बनने का । अर्जुन नें ताजा जारी हुई विश्व रैंकिंग में क्लासिकल में 2775 अंको के साथ विश्व में पाँचवाँ, 2746 अंको के साथ रैपिड में विश्व में तीसरा और 2777 अंको के साथ सातवाँ स्थान हासिल कर लिया है और इसके साथ अब अर्जुन हर प्रारूप में देश के नंबर एक खिलाड़ी बन गए है । रैपिड में विस्वनाथन आनंद 13वें और गुकेश 19 वें नंबर के खिलाड़ी है जबकि ब्लिट्ज़ में अर्जुन के बाद आनंद 17वें और निहाल सरीन 20वें नंबर के खिलाड़ी है । विश्व और ग्रांड स्विस में रहे थे असफल - अर्जुन को भविष्य के विश्व चैम्पियन बनने का दावेदार माना जाता है पर वह पिछले दो बार से फीडे कैंडिडेट में जगह बनाने से चूक रहे है , उम्मीद है शतरंज रैपिड और ब्लिट्ज़ में उनके यह पदक उन्हे एक नयी दिशा प्रदान करेंगे , इस वर्ष होने वाले शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम में उनका महत्वपूर्ण स्थान होगा ।

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं। अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं। उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

नेहा धूपिया ने बताया नए कलाकारों में क्या है अंतर; कहा- थकाती है इंडस्ट्री

लगभग दो दशक से भी पहले बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री नेहा धूपिया ने अपने करियर में अलग-अलग तरह की फिल्में की हैं। इस दौरान उन्होंने लीड एक्ट्रेस से लेकर सपोर्टिंग एक्ट्रेस तक के किरदार निभाए हैं। बेशक वो अभी भी फिल्मों में सक्रिय हैं, लेकिन एक्ट्रेस का मानना है कि काम न मिलने पर खाली बैठना काफी कष्टदायी होता है। सिर्फ प्रोफेशनल तौर पर ही नहीं बल्कि इमोशनल रूप में भी ये काफी मुश्किल होता है। जानिए एक्ट्रेस ने आखिर क्यों ऐसा कहाज

काम न मिलने पर होती है चिंता

बॉलीवुड हंगामा के साथ बातचीत के दौरान नेहा धूपिया ने करियर में काम न मिलने पर बात की और अपनी चिंता जाहिर की। एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं तो मुझे चिंता होती है। मेरे पास इससे निपटने के अपने तरीके हैं। इंडस्ट्री में 20 साल बिताने के बाद भी, जब काम बंद होता है, तो मैं तकिए में सिर रखकर रोती हूं। मैंने तीन दिन पहले भी ऐसा किया था। क्या मेरे पास इसके कारण हैं? हां। क्या कोई सुन रहा है? मुझे नहीं पता। मैं इस बारे में कोई दुख भरी कहानी नहीं बनाना चाहती क्योंकि मुझे यह इंडस्ट्री और फिल्में बहुत पसंद हैं। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि यह मुझे निराश नहीं करेगी। लेकिन यह बहुत मुश्किल हो जाता है। लोग आलोचना करते हैं।

मैं कभी भी बेरोजगार नहीं रही

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि हालांकि अभिनेताओं को अक्सर बेपरवाह रहने की सलाह दी जाती है, लेकिन हर चीज उन पर असर डालती है। सबसे मुश्किल है अपने आस-पास के सभी लोगों को काम करते देखना और खुद को खाली देखना और ऐसा महसूस करना जैसे जिंदगी यूं ही बीत रही हो। मुझमें और एक न्यू कमर में एकमात्र अंतर है इन हालातों को संभालने की क्षमता। जब तीन से चार साल तक एक्टिंग का कोई काम नहीं मिलता तो यह बेहद थका देने वाला होता है। लेकिन ईश्वर की कृपा से मैं कभी भी पूरी तरह से बेरोजगार नहीं रही। ये इंडस्ट्री बेशक थका देने वाली, लेकिन फलदायी है।

अक्षय खन्ना की तरक्की चौंकाती है

क्या अच्छा काम और काम दिलाता है? इस सवाल पर नेहा का कहना है कि 20 साल से इंडस्ट्री में रहने के बाद भी मैं इसका जवाब नहीं दे सकती। 'सिंगल पापा' और 'परफेक्ट फामिली' के रिलीज के बाद अंगद ने नेहा को फोन करके तारीफ की। इस पर एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने कहा कि अब आपके दो शो हैं और लोग आपकी तारीफ कर रहे हैं। इस पर मैंने कहा कि अंगद, बदलाव तो होना ही चाहिए। क्या अच्छा काम और काम दिलाता है? मुझे नहीं पता। कभी-कभी आप घर पर बैठे रहते हैं और इससे आपको काम मिल जाता है। फिर आप अक्षय खन्ना की तरक्की देखते हैं और सोचते हैं, 'हम भी 6 साल घर ही बैठ जाते हैं।'

'सिंगल पापा' में नजर आईं नेहा

वर्कफ्रंट की बात करें तो नेहा हाल ही में कॉमेडी-ड्रामा वेब सीरीज 'सिंगल पापा' में नजर आई थीं। इसमें कुणाल खेमू, प्राजक्ता कोली, आयशा रा, मनोज पाहवा और ईशा तलवार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

सरोजिनी नायडू की बायोपिक का ट्रेलर रिलीज

इंदिरा तिवारी की दमदार एक्टिंग दिखी, फिल्म के राइटर बोले- राजनैतिक नहीं उनके जीवन पर आधारित

महान कवयित्री और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरोजिनी पर बनी पहली हिंदी फिल्म 'सरोजिनी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'सरोजिनी' का ट्रेलर मुंबई में एक शानदार समारोह में रिलीज किया गया जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट क्रू मौजूद थी। फिल्म को विनय चंद्रा ने डायरेक्ट किया है और उन्होंने इसका संगीत भी दिया है। फिल्म की पटकथा और संवाद धीरज मिश्रा ने लिखी हैं कलाकारों की बात करें तो मुख्य कलाकारों में इंद्रा तिवारी, सोनल, हितेन तेजवानी, जरीना वहाब हैं। फिल्म के लेखक धीरज मिश्रा बॉलीवुड में लगातार सक्रिय हैं उन्होंने कई देश भक्ति और बायोपिक फिल्में लिखी हैं। फिल्म के लेखक धीरज के मुताबिक, फिल्म में सरोजिनी नायडू के जीवन को बड़ी सहजता के साथ दिखाया गया है। फिल्म राजनैतिक न हो कर एक पिता-पुत्री के संबंध, एक महान कवयित्री जिन्हें स्वर कोकिला भी कहा गया उनके जीवन में आए उतार चढ़ाव के अतिरिक्त सरोजिनी के स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित हैं।

फिल्म के निर्माता की बात करे तो चरण स्वर्णा, विजय चौधरी, हेमंत गौडा है और बैनर विशिका फिल्म का हैं। गौरतलब हो धीरज इससे पहले जय जवान जय किसान और चापेकर ब्रदर्स जैसी फिल्में लिख चुके हैं। फिल्म की रिलीज तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी इसे देशभर में रिलीज किया जाएगा ।

'टॉक्सिक' एक्टर यश के जन्मदिन पर पत्नी राधिका पंडित ने शेयर की प्यारी तस्वीरें, लिखा- 'मेरे पसंदीदा...'

यश के 40वें जन्मदिन पर सभी उनके चाहने वाले उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

तो वहीं दूसरी तरफ आज उनकी फिल्म 'टॉक्सिक' का दमदार टीजर रिलीज हुआ, जिसे फैंस और सेलेब्स दोनों ने खूब पसंद किया। वहीं अब यश की पत्नी राधिका पंडित ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

राधिका का पोस्ट : राधिका पंडित ने आज इंस्टाग्राम पर अपने पति और कन्नड़ एक्टर यश की दो प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में राधिका, यश और उनके दोनों बच्चे एक साथ एक बेंच पर बैठे नजर आ रहे हैं। राधिका यश के चेहरे को प्यार से छूती नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में यश और राधिका रोमांटिक अंदाज में कैमरे पर पोज देते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ राधिका ने कैप्शन में लिखा, हमारे पसंदीदा इंसान को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

यश का वर्कफ्रंट : टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स एक पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म है। इसे गीतू मोहनदास और यश ने लिखा है। यह गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित है। इस फिल्म में यश के अलावा नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसके अलावा यश नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर (राम), साई पल्लवी (सीता), यश (रावण), और सनी देओल (हनुमान) नजर आएंगे।

जब 'द केरल स्टोरी' के सेट पर रो पड़ी थी पूरी टीम

अदा शर्मा ने सुनाया 'टेलीफोन सीन' का किस्सा

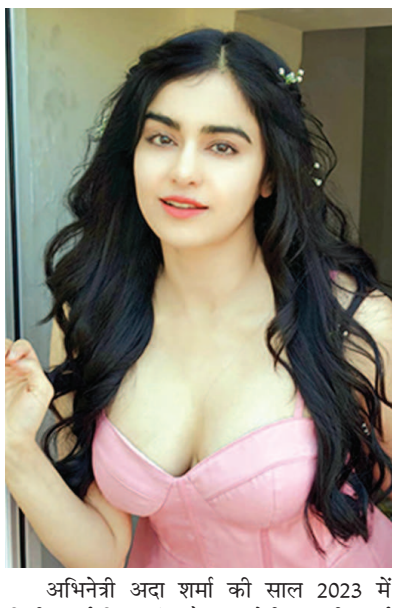

अभिनेत्री अदा शर्मा की साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'द केरल स्टोरी' काफी चर्चा में रही थी। फिल्म में एक भावुक टेलीफोन सीन है, जहां का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस अदा शालिनी उन्नीकृष्णन अपनी मां से फोन पर बात करती है। अदा ने इस सीन को शूट करने का मजेदार लेकिन बेहद खास किस्सा शेयर किया है। फिल्म का यह सीन बेहद इमोशनल है, जिसमें वह आईएसआईएस के चंगुल में फंसी होने की पीड़ा व्यक्त करती है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में अदा शर्मा ने फिल्म सेट का एक बहुत भावुक और मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म के कई सीन इतने गहरे थे कि शूटिंग के दौरान पूरी यूनिट रो पड़ती थी। खास तौर पर एक टेलीफोन सीन का जिक्र करते हुए वह इमोशनल नजर आईं। अदा ने बताया, द केरल स्टोरी मेरे लिए बेहद खास फिल्म है। इससे जुड़े कई यादगार किस्से हैं, लेकिन सबसे खास था टेलीफोन सीन जो फिल्म के अंत में आता है। इस सीन में मेरा किरदार अफगानिस्तान की जेल में बंद है और अपनी मां से फोन पर बात कर रहा होता है। मां केरल में है। यह सीन एक लंबे टेक में शूट किया गया। निर्देशक सुदीप्तो सेन ने बीच में कट नहीं किया।

निर्देशक सुदीप्तो सेन की खासियत गिनाते हुए अदा बताती हैं, फिल्म में कई सीन ऐसे हैं जहां लंबे टेक लिए गए, जिससे एक्टर के परफॉर्मेंस में कोई रुकावट नहीं आती। यह सुदीप्तो सर की खासियत है कि वह लंबे टेक लेते हैं, जो एक्टर के लिए बहुत अच्छा होता है। जब यह सीन शूट हो रहा था, तो मैं खुद बहुत रो रही थी क्योंकि सीन में बहुत भावनाएं थीं। जब सुदीप्तो सर ने कट कहा, तो मैं मुड़ी और देखा कि मेरी हेयरड्रेसर, मेकअप आर्टिस्ट, डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर सब रो रहे थे। अदा शर्मा ने हंसते हुए बताया, सच बताऊं तो मुझे टिश्यू पेपर चाहिए था क्योंकि मेरी आंख के साथ ही नाक से भी पानी बह रहा था, लेकिन सबकी आंखें नम थीं। मैंने दूसरी तरफ देखा तो कैमरा टीम, डीओपी और लाइटमैन भी आंसू पोंछ रहे थे। निर्देशक सुदीप्तो सेन खुद रो रहे थे और उनके पीछे खड़े असिस्टेंट डायरेक्टर भी आंसू बहा रहे थे। मैं निर्देशक के पास जाना चाहती थी और पूछना चाहती थी कि क्या एक और शॉट लेंगे या यही फाइनल है, लेकिन सब इतने भावुक हो चुके थे कि वे बोल नहीं पा रहे थे। सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी द केरल स्टोरी एक संवेदनशील विषय पर आधारित फिल्म है, जिसमें अदा शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था और सामाजिक मुद्दों पर खुली बहस छेड़ी। अदा की एक्टिंग की हर तरफ तारीफ हुई।

'पलकों पे' उन मुद्दों को सामने लाती है, जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है : श्वेता त्रिपाठी

समाज को आईने की तरह दिखाने वाली फिल्मों की एक अलग ही अहमियत होती है। ऐसी फिल्मों में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज के उन मुद्दों को सामने लाने की हिम्मत होती है, जिन पर आम तौर पर लोग चुप रहते हैं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म पलकों पे के जरिए इन संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं। आईएएनएस से बात करते हुए श्वेता त्रिपाठी ने शूटिंग के अनुभव को साझा किया और उसे चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग लगातार कई दिनों तक चली। यह लंबा शेड्यूल था। इस थकान भरे सफर ने पूरी टीम को और करीब ला दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच जो समझ और भरोसा बना, वह फिल्म में दिखाई देगा। शूटिंग के दौरान एक-दूसरे की मदद करना सभी के लिए एक नई ऊर्जा बन गया।%% %पलकों पे% को लेकर श्वेता ने कहा, मुझे फिल्म की कहानी ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। फिल्म उन सवालों का सामना करती है जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है। तलाक, लैंगिक समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इस फिल्म में सीधे और ईमानदारी से उठाए गए हैं। ये वे विषय हैं जिन पर लोग आमतौर पर बात करना पसंद नहीं करते। इस फिल्म में बिना झिझक इन मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, फिल्म के निर्देशक निधिश पुझक्कल ने इसे और भी खास बनाया है। उनका अंदाज अलग है। वह हर सीन, हर खामोशी और हर भावना को एक मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखते हैं। ऐसे निर्देशन में काम करना एक अभिनेता का सपना होता है। इससे कलाकार अपने किरदार की गहराई में उतर सकता है और हर सीन में पूरी सच्चाई ला सकता है। उनका यह दृष्टिकोण फिल्म को केवल कहानी नहीं, बल्कि अनुभव बनाता है। श्वेता के अलावा फिल्म में अभिषेक चौहान और ईशान नकवी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। श्वेता ने सह कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, अभिषेक और ईशान दोनों ही बेहद ईमानदार और समर्पित कलाकार हैं। इस समर्पण ने मुश्किल और लंबे दिनों को भी सार्थक बना दिया। सभी ने पूरी मेहनत और दिल से काम किया, जिससे फिल्म का हर सीन प्राकृतिक और प्रामाणिक नजर आता है।

गणेश आचार्य-पूजा चोपड़ा ने 'मजा ले ले' सॉन्ग लॉन्च किया

सिंगर पूनम झा के डांस पार्टी एंथम को मिला बड़े सितारों का साथ

प्रतिभाशाली गायिका पूनम झा का नया डांस पार्टी एंथम 'मजा ले ले' कामाख्या बीट्स द्वारा रिलीज किया गया है जिसे दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस धमाकेदार गाने की स्पेशल स्क्रीनिंग पीवीआर आइकॉन अंधेरी मुंबई में की गई जिसमें गाने की पूरी टीम के साथ साथ मुख्य अतिथि बॉलीवुड के विख्यात कोरियोग्राफर गणेश आचार्य, पूजा चोपड़ा भी उपस्थित थीं।

फिल्म आशिकी के हीरो और बिग बॉस फेम राहुल रॉय और उनकी बहन हरि माँ भी वहां मौजूद थीं। प्रियंका ने मनोज झा और पूनम झा को बहुत बहुत बधाई दी। इस गाने के सिंगर पूनम झा और देव नेगी हैं जबकि वीडियो को निर्देशित किया है डायरेक्टर अभिषेक शर्मा ने. कोरियोग्राफर विष्णु देवा हैं और डीओपी डडली (फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के सिनेमैटोग्राफर) हैं। बता दें कि इससे पहले पूनम झा के कई गीत रिलीज होकर लोकप्रियता और मिलियंस व्यूज हासिल कर चुके हैं। ज़ी म्यूजिक कंपनी से

रिलीज उनका पार्टी नम्बर 'नशे में हाई' अभिनेत्री पूजा बत्रा ने लॉन्च किया था। इस नए गाने मजा ले ले में पूनम झा, अनायरा गुप्ता और ईशान शंकर ने अभिनय किया है और इसे कामाख्या बीट्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है। 'मजा ले ले' का संगीत पवन मुरादपूरी ने कंपोज किया है और बोल एस आर भारती ने लिखे हैं। वीडियो के ज्वेलरी पार्टनर कामाख्या ज्वेल्स लिमिटेड है।

चीफ गेस्ट गणेश आचार्य ने कहा कि मजा ले ले की पूरी टीम को बधाईयाँ और शुभकामनाएं. विष्णु देवा ने इसकी बेहतरीन कोरियोग्राफी की है. अनायरा गुप्ता और ईशान शंकर ने कमाल का डांस किया है। पूनम झा ने गाने को बखूबी गाया और एक्ट भी किया है। मनोज झा को बधाई और शुभकामनाएं कि उन्होंने बड़ी अच्छी सोच के साथ कामाख्या बीट्स म्यूजिक लेबल की शुरुआत की है। एक्ट्रेस पूजा चोपड़ा ने कहा कि मजा ले ले की पूरी टीम को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं. म्यूजिक इंडस्ट्री में श्रोता रोज नयापन चाहते हैं ऐसे में एक स्ट्रॉन्ग प्लेटफार्म कामाख्या बीट्स मनोज झा ने शुरू किया है। मैंने जब पहली बार ये गाना सुना तो मुझे पूनम झा का आत्मविश्वास पसन्द आया। स्क्रीन पर भी वह कमाल लग रही हैं।

उनकी आवाज बहुत खूबसूरत, मेलोडी से भरी और अलग भी है। मुझे लगता है कि वह संगीत जगत में बड़ा नाम करेंगी। मनोज झा ने कहा कि हम ज्वेलरी के कारोबार में हैं मगर मेरी पत्नी पूनम झा को गायकी का बहुत जुनून रहा है। वह बहुत प्रतिभाशाली सिंगर हैं। कुछ और जिम्मेदारी के कारण वह पहले अपने टैलेंट को सामने नहीं लाई। अब वह गायकी की अपनी प्रतिभा उजागर कर रही हैं। मैंने कोरियोग्राफर विष्णु देवा के काफी कहने पर म्यूजिक लेबल कामाख्या बीट्स को लॉन्च किया है। जो विशेषकर टैलेंटेड महिलाओं के लिए एक प्लेटफार्म है। अब हर महिने इस कंपनी से गाने आते रहेंगे। इसके माध्यम से नए टैलेंट को भी मौका दिया जाएगा। पूनम झा कहती हैं, गायकी शुरू से मेरा जुनून रहा है। मजा ले ले मेरा तीसरा गीत है और इसे बड़े स्क्रीन पर देखने का एक अलग ही मजा है। मैं बहुत खुश और उत्साहित हूं कि इस लेवल का म्यूजिक वीडियो बना है। मैं अपने पति मनोज झा को दिल से शुक्रिया कहना चाहती हूं, जिन्होंने मेरा सपोर्ट किया, मेरे सपनों को पंख दिए और मेरे लिए कामाख्या बीट्स की नींव डाली। मैं मुख्य अतिथि गणेश आचार्य और पूजा चोपड़ा की भी आभारी हूं कि उन्होंने इसके लॉन्च पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। मैं फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के सिनेमैटोग्राफर डडली सर को भी आभार प्रकट करती हूं, जिन्होंने इस गाने को किसी फिल्म गीत की तरह ही शूट किया। कोरियोग्राफर विष्णु देवा ने मुझसे डांस भी करवा दिया। स्टेज पर मनोज झा और पूनम झा ने सभी अतिथियों और टीम से जुड़े तकनीशियन को पुष्पगुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया। पैरों को थिरकने पर मजबूर करने वाला गाना सभी को डांस फ्लोर पर उतार देगा।

इंदौर में भीषण सड़क हादसा, पूर्व गृह मंत्री की बेटी समेत तीन की मौत

एजेंसी

इंदौर । इंदौर के रालामंडल में तेजाजी नगर बाईपास के पास शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री बाला बच्चन की बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़ितों में प्रेरणा भी शामिल थीं, जो बाला बच्चन की बेटी थीं। बाला बच्चन एक जाने-माने कांग्रेस नेता हैं जो पहले मध्य प्रदेश के गृह मंत्री रह चुके हैं और अभी राजपुर सीट से विधायक हैं। प्रेरणा एक कार में सफर कर रही थीं, जिसकी एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे गाड़ी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। पुलिस के मुताबिक, वे किसी फंक्शन से लौट रहे थे।

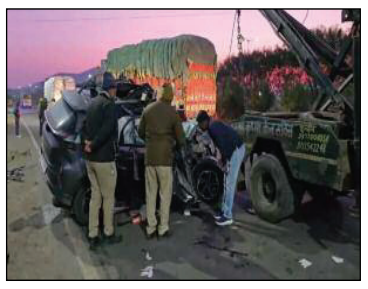

अन्य दो मृतकों की पहचान संधू और प्रखर के रूप में हुई है। इस हादसे में एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा कम विजिबिलिटी या तेज रफ्तार की वजह से सुबह-सुबह हुआ। हादसे की सूचना मिलने के बाद इमरजेंसी सर्विस मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने तुरंत इलाके को सुरक्षित किया, शवों को बरामद किया और उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए पास के अस्पताल में पहुंचाया। अधिकारियों ने मामला दर्ज कर लिया है और सही कारण पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों की मानें तो हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद मध्य प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में सदमे की लहर दौड़ गई है। बाला बच्चन का परिवार अपनी बेटी की अचानक मौत से दुखी है। सभी पार्टियों की तरफ से संवेदनाएं व्यक्त की गई हैं। तेजाजी नगर जैसे बाईपास रास्तों पर पहले भी इसी तरह के जानलेवा हादसे हो चुके हैं। स्थानीय लोग और एक्टिविस्ट ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू करने और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने सुबह के समय हाईवे पर सावधानी बरतने का आग्रह किया है, जब घने कोहरे के कारण कम विजिबिलिटी रहती है।

लैंड फॉर जॉब केसः लालू-राबड़ी-तेजस्वी पर आरोप तय, 52 आरोपी बरी

नई दिल्ली । दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बहुचर्चित लैंड फॉर जॉब मामले में शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया। अदालत ने इस मामले में कुल 98 आरोपियों में से 52 आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया है, जबकि शेष आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में 5 आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है, ऐसे में अब 41 लोगों के खिलाफ मुकदमा चलेगा। इस मामले में अगली सुनवाई अब 29 जनवरी को होगी। अदालत ने पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव समेत उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेज प्रताप यादव, तेजस्वी यादव, मीसा भारती और हेमा यादव के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि आरोप है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपनी पत्नी और बच्चों के नाम अचल संपत्तियां जुटाईं। अदालत के अनुसार, इस पूरे मामले में अन्य आरोपियों ने भी आपराधिक षड्यंत्र में सक्रिय रूप से सहयोग किया। कोर्ट ने टिप्पणी की कि रेलवे में नौकरियों के बदले जमीन लेने का एक तरह का विनिमय सिस्टम चल रहा था, जिसके तहत कई लोगों को रेलवे में नौकरी दी गई और बदले में उनके या उनके परिजनों की जमीन ली गई।

कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लालू प्रसाद यादव और उनका परिवार आपराधिक षड्यंत्र का हिस्सा थे, जबकि अन्य आरोपियों ने इस षड्यंत्र को अंजाम देने में मदद की। हालांकि, जिन 52 आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं पाए गए, इसलिए अदालत ने उन्हें आरोपमुक्त कर दिया।

इस मामले में अदालत ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 और 120बी के तहत आरोप तय किए हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट) की धारा 13(1)(डी) और 13(2) के तहत भी आरोप तय किए गए हैं।

गौरतलब है कि लैंड फॉर जॉब मामला उस समय का है जब लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि उनके कार्यकाल के दौरान रेलवे में नियुक्तियों के बदले लोगों से जमीन ली गई।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगः एनएसए अजीत डोभाल करेंगे उद्घाटन

पीएम मोदी सहित शामिल होंगी कई नामचीन हस्तियां

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल दस जनवरी को युवा मामले और खेल मंत्रालय के 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' (वीबीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में देशभर से दो हजार से ज्यादा प्रतिभागी अलग-अलग विषयों पर चर्चा करेंगे।

नामचीन हस्तियां भी होंगी शामिल

इस आयोजन में खेल जगत की नामचीन हस्तियां भी युवाओं का मार्गदर्शन करेंगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर 11 जनवरी को एक विशेष चर्चा (फायरसाइड चैट) में मौजूद रहेंगी। वहीं, बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद और टेनिस स्टार लिएंडर पेस को 'विकसित भारत के विजन को आकार देने में सार्थक भूमिका' देना बताया है।

प्रतिभागियों के साथ समूह चर्चा (ग्रुप डिस्कशन) का हिस्सा होंगे। सभी प्रतिनिधि एक ओरिएंटेशन सत्र में भाग लेंगे। इसके अलावा, वे दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा भी करेंगे। मंत्रालय ने इस पहल का उद्देश्य भारत के युवाओं

पीएम मोदी के साथ संवाद

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 12 जनवरी को होगा, जिसे स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चयनित युवा नेताओं के साथ समय बिताएंगे। युवाओं का एक समूह प्रधानमंत्री के सामने अपने बेहतरीन विचार प्रस्तुत करेगा और 'विकसित भारत 2047' के विजन पर उनका मार्गदर्शन, फीडबैक और प्रोत्साहन प्राप्त करने' का अवसर भी मिलेगा।

चयन प्रक्रिया और विषय

मंत्रालय के मुताबिक, प्रतिभागियों का चयन एक व्यापक राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया के बाद हुआ है, जिसमें निबंध लेखन और क्विज शामिल थे। इसमें 50 लाख से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया था। चर्चा के प्रमुख विषयों में लोकतंत्र में युवा, महिला नेतृत्व वाला विकास, भारत को स्टार्टअप राजधानी बनाना और परंपरा के साथ नवाचार शामिल हैं। कार्यक्रम में उद्यमी श्रीधर वेम्बू और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला जैसी हस्तियां भी शामिल होंगी। साथ ही, विदेश मंत्रालय के 'नो इंडिया प्रोग्राम' के तहत चुने गए 80 प्रवासी भारतीय युवा भी इसका हिस्सा बनेंगे।

राष्ट्रपति से अरुणाचल प्रदेश के छात्रों ने की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश से आए छात्रों के एक समूह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की। ये छात्र नेशनल इंटीग्रेशन टूर के तहत राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे। राष्ट्रपति भवन के अनुसार इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु ने छात्रों से संवाद किया और उनके अनुभवों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकीकरण भ्रमण जैसे कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को समझने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे राष्ट्रीय एकता और आपसी सद्भाव को मजबूती मिलती है। राष्ट्रपति ने छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे भ्रमण युवाओं के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भेंट के दौरान छात्रों ने राष्ट्रपति को स्मृति-चिह्न भी भेंट किया। इस अवसर पर समूह फोटो भी लिया गया।

कृषि क्षेत्र में तकनीक और नवाचार पर सरकार का जोरः शिवराज चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि डिजिटल एग्रीकल्चर भारत की कृषि नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और मंत्रालय इस दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-नाम, डिजिटल फसल आकलन और टेक्नोलॉजी आधारित सेवाओं के माध्यम से कृषि को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और किसान-केंद्रित बनाया जा रहा है। कृषि भवन में आज प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय विकास साझेदारों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में शिवराज सिंह ने बताया कि बजट पूर्व बैठकों के क्रम में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की कृषि यात्रा खाद्य-अभाव से वैश्विक खाद्य आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनने तक पहुंची है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश कई प्रमुख कृषि उत्पादों का निर्यातक बन चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित

करने के बाद अब पोषण सुरक्षा और सतत आजीविका को अपनी प्राथमिकता बनाया है। शिवराज चौहान ने 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार जल संरक्षण और जल के अधिकतम उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि माइक्रो-इरिगेशन, सिंचाई दक्षता बढ़ाने और जल-संरक्षण तकनीकों को अपनाने से किसानों की लागत घटेगी और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि मंत्रालय पोषण आधारित खेती, मांग आधारित कृषि उत्पादन और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं और परियोजनाएं पहले से ही संचालित कर रहा है। इन पहलों से किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी। चौहान ने कहा कि भारत कृषि क्षेत्र में अपने सफल अनुभवों और बेस्ट प्रैक्टिसेज को अन्य देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार है, साथ ही वैश्विक नवाचारों से सीखकर उन्हें भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संवाद परस्पर लाभकारी सहयोग, ज्ञान-साझेदारी और दीर्घकालिक नीति निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

चेहरा पहचान प्रणाली से आंगनवाड़ी केन्द्रों पर दिया जाएगा टेक होम राशन, 4.51 करोड़ लाभार्थियों का ई-केवाईसी और फेस मैचिंग पूरा

एजेंसी

नई दिल्ली। आंगनवाड़ी सेवाओं में टेक-होम राशन (टीएचआर) की पारदर्शी डिलीवरी के लिए चेहरा पहचान प्रणाली को जल्दी ही सभी राज्यों में अनिवार्य कर दिया जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने आंगनवाड़ी सेवाओं के तहत टेक-होम राशन (टीएचआर) की सही और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए फेशियल रिकग्निशन सिस्टम यानि चेहरा पहचान प्रणाली (एफआरएस) का 91.38 प्रतिशत लाभार्थियों का ई-केवाईसी और फेस मैचिंग का काम पूरा कर लिया है। अब सिर्फ 25 लाख लाभार्थियों का ई-केवाईसी और फेस मैचिंग का काम बाकी रह गया है, जो जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस प्रणाली से

सभी लाभार्थियों तक राशन पहुंचने की निगरानी आसान हो गई है। यह सुविधा पोषण ट्रैकर ऐप में ही जोड़ी गई है, जिसे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रोजमर्रा के कार्यों के लिए पहले से उपयोग कर रही हैं। इसके लिए किसी अलग ऐप की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर 2025 तक टेक-होम राशन के लिए पात्र लगभग 4.73 करोड़ लाभार्थियों में से 4.51 करोड़ लाभार्थियों का ई-केवाईसी और फेस मैचिंग पूरा हो चुका है। दिसंबर 2025 में 2.79 करोड़ पात्र लाभार्थियों को एफआरएस के माध्यम से टेक-होम राशन दिया गया।

उन्होंने बताया कि इस नई डिजिटल व्यवस्था से आंगनवाड़ी सेवाओं और मातृत्व योजनाओं में पारदर्शिता, भरोसा और दक्षता बढ़ी है, जिससे सही लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई 2025 से देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 3-6 वर्ष के बच्चों को राशन और गर्म भोजन पाने के लिए चेहरा पहचान प्रणाली के माध्यम से 'फेस ऑथेंटिकेशन' अनिवार्य कर दिया गया है।

वीबीजी रामजी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेगी कर्नाटक सरकार

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने केंद्र की वीबीजी, रामजी योजना के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया है, जिसे केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को वापस लेने के बाद प्रतिस्थापित किया है। यह निर्णय राज्य सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक में किया गया है। आज मंत्रिमंडल की बैठक के बाद राज्य के पर्यटन, कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि विकसित भारत-ग्राम आरएएम जी विधेयक, 2025 (वीबीजी, रामजी) को जनता की अदालत में ले जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान के 73वें संशोधन के बाद देश में विकेंद्रीकरण हुआ है। इस योजना ने विकेंद्रीकरण को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि एमएनआरईजीए को वापस लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के रोजगार अधिकारों को छीनने का काम किया गया है। एमएनआरईजीए के माध्यम से पंचायतों में संपत्ति का निर्माण हो रहा था। अब, एक अमानवीय कानून लागू होने से, श्रमिकों को ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्यों में काम करना पड़ रहा है। केंद्र सरकार ने श्रमिकों के हितों की रक्षा में कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके बजाय, इसने रोजगार के अधिकार को छीन लिया है। पंचायतों के पास गांवों में क्या काम किया जाना चाहिए, यह तय करने का अधिकार था। अब, इसे पूरी तरह से छीन लिया गया है और केंद्र सरकार निर्देश देगी कि काम कहां किया जाना चाहिए।

केजरीवाल ने आयुष्मान भारत को ठुकराया, जनता ने कर दिया बाय-बाय, ममता बनर्जी ने भी नकारा, अब उनकी बारी: जेपी नड्डा

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक बदलावों को रेखांकित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने देर शाम को डॉक्टर के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने आयुष्मान भारत योजना को नकारा और जनता ने उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस जनकल्याणकारी योजना को ठुकराया है और वर्ष 2026 में जनता उन्हें भी जवाब देगी डॉक्टरों की एक बैठक को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि विकसित भारत की कल्पना तभी साकार हो सकती है, जब देश की नींव स्वस्थ भारत पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि बीते ग्यारह वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं, जिसने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा और दशा दोनों बदल दी हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि वर्ष 2017 में लागू की गई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति ने भारत की सोच को केवल इलाज तक सीमित रखने के बजाय निवारक, संवर्धनात्मक, उपचारात्मक, उपशामक, पुनर्वास और वृद्धावस्था स्वास्थ्य की समग्र अवधारणा से

जोड़ा। उन्होंने कहा कि यह नीति संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें सभी विभाग मिलकर काम कर रहे हैं और मानव, पशु, पर्यावरण तथा कृषि को एक साथ जोड़कर देखा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि देशभर में एक 1.81 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं, जो प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बन चुके हैं। ये केंद्र तीन से चार हजार की आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं और यहीं से आम नागरिक की स्वास्थ्य जांच, परामर्श और उपचार की शुरुआत होती है। आशा कार्यकर्ताओं, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की नियमित जांच की जा रही है। नड्डा ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान के लिए व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाया गया है। अब तक 40 करोड़ से अधिक लोगों की मुख कैंसर जांच और बीस करोड़ से अधिक महिलाओं की स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जांच की जा चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल शुरुआत है और आने वाले समय में इसका दायरा और बढ़ेगा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से गर्भावस्था से लेकर 16 वर्ष तक बच्चों के टीकाकरण की पूरी निगरानी की जा रही है। यदि किसी बच्चे का टीका छूटता है तो तुरंत संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों और प्रशासन को सूचना मिल जाती है, जिससे कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। जेपी नड्डा ने स्वास्थ्य संकेतकों में आए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्थागत प्रसव, मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि तपेदिक और मलेरिया जैसी बीमारियों पर भी देश ने प्रभावी नियंत्रण पाया है और उपचार की सफलता दर वैश्विक औसत से बेहतर हुई है।

रेलवे को 'सुधारों का वर्ष' बनाने का लक्ष्य

52 हफ्तों में 52 बड़े सुधार लागू होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वर्ष 2026 को 'सुधारों का वर्ष' बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसी कड़ी में रेलवे हर सप्ताह एक बड़ा सुधार लागू करेगा। इस तरह 52 हफ्तों में 52 सुधारों को अमल में लाने की योजना बनाई गई है।

इस संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन में रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें रेलवे में व्यापक और प्रणालीगत सुधार लाने पर सहमति बनी। बैठक में नए वर्ष की भावना, नए संकल्प और रेलवे में बड़े बदलावों पर विशेष जोर दिया गया। तय किया गया कि 52 सप्ताह-52 सुधार के तहत दक्षता, शासन व्यवस्था और सेवा वितरण में

ठोस सुधार किए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि परिणामस्वरूप ट्रेन दुर्घटनाओं में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2014-15 में जहां 135 गंभीर दुर्घटनाएं हुई थीं, वहीं 2025-26 में इनकी संख्या घटकर 11 रह गई है। आने वाले समय में इसे एकल अंक तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। रेलवे में सुरक्षा, रखरखाव और संचालन को और बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और उन्नत तकनीकों के उपयोग को तेज किया जाएगा। रेलवे कर्मचारियों के प्रतिभा प्रबंधन और कौशल विकास के लिए नवोन्मेषी तरीकों को अपनाने पर भी विचार किया गया। यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए भोजन की गुणवत्ता, कैटरिंग और ऑनबोर्ड सेवाओं में बड़े सुधारों का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्रियों, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही बुनियादी ढांचे के विकास, रखरखाव और क्षमता वृद्धि से जुड़ी पहलों की समीक्षा की गई। रेल मंत्रालय ने सुधारों, सुरक्षा, तकनीकी प्रगति और यात्री-केंद्रित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

चुनाव प्रबंधन निकायों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से पहले आयोग ने की देशभर के निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने चुनाव प्रबंधन निकायों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से पहले देशभर के निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की। 21 से 23 जनवरी तक राजधानी दिल्ली में भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन सम्मेलन होने जा रहा है।

चुनाव आयोग ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में देश भर के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) का सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और

डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर सभी चुनाव आयुक्तों को इसकी विशेषताओं, बारीकियों और उनकी विशिष्ट भूमिकाओं के बारे में समझाया। चुनाव आयोग ने बताया कि सम्मेलन में चुनाव आयुक्तों ने 36 विषयगत समूहों पर चर्चा की, जिनका नेतृत्व आईआईसीडीईएम 2026 में संबंधित सीईओ करेंगे। इन विषयों में चुनाव प्रबंधन के सभी पहलू शामिल हैं और इनका उद्देश्य विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के अनुभवों के आधार पर ज्ञान का एक समृद्ध निकाय विकसित करना है।

आईआईसीडीईएम 2026 चुनाव प्रबंधन और लोकतंत्र के क्षेत्र में भारत द्वारा आयोजित अपनी तरह का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन होगा। इसमें लगभग 100 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग लेंगे, जो दुनिया भर के चुनाव प्रबंधन निकायों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, भारत में विदेशी मिशनों और चुनाव क्षेत्र के शैक्षणिक एवं व्यावहारिक विशेषज्ञों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस सम्मेलन में उद्घाटन सत्र, ईएमबी नेताओं का पूर्ण सत्र, ईएमबी कार्य समूह की बैठकें और ईसीआईनेट का शुभारंभ जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा वैश्विक चुनावी विषयों, अंतर्राष्ट्रीय चुनावी मानकों, चुनावी प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों पर केंद्रित विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com